## List of 50 activities

## SLOT 1

| S.no. | Topic | Class | |
|---|---|---|---|
| | **आवास** | | |
| 1 | पहाड़ो से समुन्दर तक | 4 | |
| 2 | कपास से कपडे तक | 4 | |
| | **खेल** | | |
| 3 | फांद ली दीवार | 5 | |
| | **वास्तु बनाना एवं सृजनात्मक कार्य** | | |
| 4 | कागज़ बनाना | 5 | |
| | **यात्रा** | | |
| 5 | Visit to railway station | 3 | |
| 6 | रेलवे टिकट | 4 | |
| 7 | सिक्को का संग्रहलाह (आज़ाद सिक्को का सफर) | 5 | |
| 8 | आओ नक्शा पढ़े | 4 | |
| 9 | पहचाने नोटों को | 4 | |
| 10 | Zoo map (ज़ू मैप) | 5 | |
| 11 | बोलती इमारते | 5 | |
| 12 | नक्शा पढ़ना | 5 | |
| 13 | सुनीता अंतरिक्ष में-1 | 5 | |
| 14 | सुनीता अंतरिक्ष में-2 | 5 | |
| 15 | चिट्ठी आई है | 5 | |
| 16 | सालारजंग म्यूज़ियम | 5 | |
| | **परिवार व दोस्त** | | |
| 17 | Whose prints | 3 | |
| 18 | फुलवारी | 4 | |
| 19 | तितली उड़ | 4 | |
| 20 | पौधों की जड़ | 4 | |
| 21 | कान -कान में | 4 | |
| 22 | कान -कान में (जानवरो की खाल) | 4 | |
| 23 | कान -कान में (जानवरो की विशेषता ) | 4 | |
| 24 | भार को नापना | 4 | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 25 | परछाई | 4 | |
| 26 | अनिता की मधुमक्खियां | 4 | |
| 27 | अनिता की मधुमक्खियां(शहद की कहानी) | 4 | |
| 28 | अनिता की मधुमक्खियां (व्यवसाय ) | 4 | |
| 29 | जानवर | 5 | |
| 30 | बाघ हमारा राष्ट्रीय पशु | 5 | |
| 31 | सांप किसान के मित्र | 5 | |
| 32 | नेशनल पार्क | 5 | |
| 33 | जन्म प्रमाण पत्र | 5 | |
| | **पानी** | | |
| 34 | पोस्टर पढ़ना | 4 | |
| 35 | बूंद-बूंद से | 4 | |
| 36 | बूंद-बूंद, दरिया दरिया -1 | 5 | |
| 37 | बूंद-बूंद, दरिया दरिया-2 | 5 | |
| 38 | बूंद-बूंद, दरिया दरिया-3 | 5 | |
| | **भोजन** | | |
| 39 | कहाँ से  आया किसने पकाया (भोजन प्रक्रिया) | 3 | |
| 40 | कहाँ से आया, किसने पकाया | 4 | |
| 41 | सावधानी ही सुरक्षा | 4 | |
| 42 | छोटी सी जीभ, पर काम बड़े | 5 | |
| 43 | ख़तम हो जाए तो ( गैस सिलेंडर रसीद) | 5 | |
| 44 | सिलेंडर लो मगर ध्यान से | 5 | |
| 45 | किसानों की कहानी, बीज की ज़ुबानी | 5 | |
| 46 | किसानों की कहानी, बीज की ज़ुबानी (त्यौहार) | 5 | |
| 47 | झूम खेती | 5 | |
| 48 | खाये आम बारह महीने | 5 | |
| 49 | खाना हुआ ख़राब | 5 | |
| 50 | मिलावटी भोजन | 5 | |

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | IV |
| थीम | : | आवास |
| आडियन्स | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| शीर्षक | : | पहाड़ों से समंदर तक |
| उद्देश्य | : | 1. कचरा प्रबंधन से अवगत कराना ।<br>2. Dumpgyard के आस - पास रहने वाले लोगो व यहाँ काम करने वाले के प्रति संवेदनशील बनाना। |
| सूचक शब्द | : | Dumpgyard, कचरा, बायोगैस प्लॉट, compost, लैंडफिल |

| ऑडियो | वीडियो |
|---|---|
| अखबार पढ़ते हो ? क्या तुम ?<br>आओ, हम सुनाते है तुम्हें अखबार की एक खबर । ये चित्र एक ऐसी ही अखबार का है । 7 फरवरी 2016 को इंडियन एक्सप्रैस में छपी थी ये । इसमें कहा गया है कि | Delhi waste lands: 50 feet tall and growing, Ghazipur yard operates well beyond deadline. Indian Express 7 Feb., 2016<br>http://indianexpress.com/article/india/india-newsindia/delhi-wastelands-50-tall-and-growing-ghazipur-yard-operates-well-beyond-dealine/ |
| अब बताओ –<br>1) आनंद विहार और कौशांबी के लोगों ने NGT में किस बारे में शिकायत की ??<br>2) गाज़ीपुर लैंडफिल की कितनी ऊँचाई हो चुकी है?<br>3) जबकि उसकी अधिकतम सीमा क्या थी ?<br>4) मानसून के दौरान इस कूड़े के ढेर से जो गंदा पानी निकलकर यमुना नदी में मिल रहा है उससे क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं ? | 1) आनंद विहार और कौशांबी के लोगों ने NGT में किस बारे में शिकायत की ?<br>2) गाज़ीपुर लैंडफिल की कितनी ऊँचाई हो चुकी है ?<br>3) जबकि उसकी अधिकतम सीमा क्या थी ?<br>4) मानसून के दौरान इन कूड़े के ढेर से जो गंदा पानी निकलकर यमुना नदी में मिल रहा है उससे क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं ? |
| अब सोचना इस बात पर है कि घरों से निकलने वाले इस कूड़े का क्या किया जाए? इसके लिए कुछ तरीके यहाँ चित्रों में दिखाए गए है । उस पर क्लिक करो । | Composting<br>द्वारा खाद बनाते हुए बच्चों का चित्र<br>dumping yard<br>में कूड़ा डालते हुए<br>कूड़े को जलाते हुए चित्र<br>बेकार पेपर से पेपर बैग<br>प्लास्टिक बोतलों, खाली, डिब्बों में पौधे लगाते हुए चित्र |
| इस कूड़े कचरे को भी हम प्रयोग कर सकते हैं। कैसे ? | चित्र |

| | |
|---|---|
| मुंबई के एक संस्थान ने इसका एक तरीका खोजा है। मुंबई के एक संस्थान का यह कैंटीन। यहाँ से बचा खाना, सब्जी आदि के छिलके न फैंककर ये लोग अपने ही कैंटीन के पीछे बना है एक बायो गैस प्लांट। इस प्लांट में ये लोग वो सारा कचरा डाल देते और बना लेते हैं लगभग 500kg से 4000 kg तक LPG। यानि जितना ज़्यादा कचारा उतना ज़्यादा LPG ! | India Map Higlight Maharastra Mumbai<br><br>Mumbai के चित्र<br><br>बायो गैस प्लांट विभिन्न चित्र |

विषय : पर्यावरण अध्ययन
कक्षा : IV
थीम : आवास
शीर्षक : कपास से कपड़े तक
ऑडियंस : विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक
उद्देश्य : धागे से कपड़ा बनने की प्रक्रिया को जानना
सूचक शब्द : कपास, रूई, फूल, चरखा, करधा

**Instruction for the developer:**

| **ऑडियो** | **वीडियो** |
|---|---|
| यह है कपास के फूल, जिससे हमारे कपडे बनते है<br><br>**पर यह कपडे बनते कैसे है? आओ जानते है कपास से कपडे तक के इस सफर को**<br><br>**सबसे पहले कपास के पौधों से कपास को चुनकर इक्कट्ठा करा जाता है**<br><br>**अब इस ढेर से रुई को अलग करा जाता है और अच्छे से रुई की सफाई करी जाती है**<br><br>**सफाई करने के बाद रुई से सूत बनता है** | <br><br>चित्र- फूल चुनकर इक्कठे करके ढेर लगाना<br><br>चित्र- रूई अलग करना<br>चित्र - रूई की सफाई<br><br>चित्र - सूत बनाना<br>• चरखे पर<br>• कारखाने में मशीनों से रूई से धागा/ सूत बनता दिखाया जाये। |

| | |
|---|---|
| **इसी सूत से बनता है धागा** | चित्र - सूत से धागा बनाना। |
| **धागों की लड़ियो को साफ़ पानी में उबाला जाता है जिसके लिए बड़ी बड़ी मशीनों का इस्तमाल होता है** | चित्र - धागे की लड़ियों को पानी में उबालना (मशीनों द्वारा ये कार्य होता हुआ ) |
| **अब इन धागों को अलग अलग रंगों में रंग जाता है.. इसे हम डाई करना भी कहते है** | चित्र - धागों को रंगते हुये दिखाना। कारखानों में भी डाई दिखाना। |
| **रंगीन धागों कप अब सूखने के लिए छोर दिया जाता है** | चित्र - रंगने के बाद सुखाना फिर उनको लपेटना। |
| **जब मशीने नही हुआ करती थी तो रंगीन धागों से करधे पर कपड़ा बूना जाता था और आज के समय में कारखानों में मशीनों में कपड़ा तैयार किया जाता है** | चित्र - रंगीन धागों से करधे पर कपड़ा बुनना। कारखानों में मशीनों में कपड़ा तैयार होना। |
| **।** | |
| **करधे पर सुइयों द्वारा सुन्दर डिज़ाइन बनाये जाते है और कारखानों में थान के थान मशीनों द्वारा प्रिंट किये जाते है** | चित्र - करधे में सुइयों द्वारा कपड़ों पर बनते डिजाइन दिखाना।<br>चित्र - कारखानों में भी थान (प्रिंटेड/ प्लेन) तैयार होते दिखाना |
| **तो समझे, इस तरह बनता है कपास से कपडा/** | 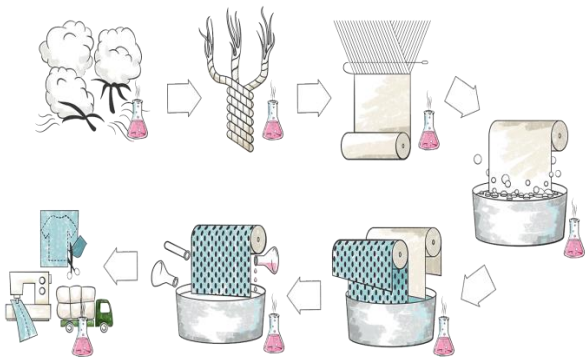 |
| यहाँ कपास से कपड़े तक के सफ़र के चरण नीचे दिये गए है। इन्हें सही क्रम से लगाए। | ***क्रम सही कीजिये -***<br>1. रंगीन धागे से कपड़ा बुनना।<br>2. चरखे पर सूत बनाना।<br>3. कपास के फूलों की खेती। |

| | |
|---|---|
| | 4. सूत से बने धागों को रंगना।<br>5. फूल से रूई बनाना , साफ कराना। |

सही क्रम होने पर प्रोत्साहन (तालियाँ)

**गलत उत्तर पर दुबारा प्रयास करो की आवाज़**

सही क्रम- 3,5,2,4,1

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | पाँच |
| थीम | : | खेल |
| शीर्षक | : | फाँद ली दीवार |
| ऑडियंस | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| उद्देश्य | : | 'लिंग भेद' के प्रति संवेदनशील उत्पन्न करना। विभिन्न खेलों की जानकारी |
| सूचक शब्द | : | जिमनास्टिक, लिंग भेद, दीपा कर्माकर, महिला खिलाड़ी, पुरूदुनोवा वाल्टा। |

Instruction for developers:

| **Video** | **Audio** |
|---|---|
| जिमनास्टिक करते हुए विभिन्न खिलाड़ियों के चित्र/ विडियों (खेलके नाम के साथ) | क्रिकेट, हॉकी, बास्केटबॉल, बैडमिंटन जैसे ही खेलों की तरह जिमनास्टिक भी एक खेल है जिससे खेलने के लिए एकदम मज़बूत और लचीले शरीर का होना ज़रूरी है। |
| 'पुरूदुनोवा वाल्ट' खेलते हुए एक 'लड़के' का चित्र / विडियों | जिमनास्टिक में ही एक है 'पुरूदुनोवा वाल्ट'। जिमनास्टिक में सबसे ज़्यादा मुश्किल होता है इसे करना। |
| महिला खिलाड़ियों का चित्र<br>'पुरूदुनोवा वाल्ट' खेलने वाली | पता है पहले इसे सिर्फ पुरूष ही खेला करते थे पर अब महिलाओं ने भी इसे कर दिखाया। |
| 'दीपा कर्माकर' का 'पुरूदुनोवा वाल्ट' करते हुए विडियो | सभी देशों में सिर्फ '5' ऐसी महिलाएं हैं जो इसे खेलती हैं जिनमें एक हैं भारत की 'दीपा कर्माकर'। जिन्होंने इसके लिए 2016 रियो ओलम्पिक में जाकर इतिहास रच दिया।<br>तो देखा तुमने... |
| एक ही खेल को खेलते हुए लड़के और लड़कियों के चित्र | हर खेल यदि लड़के खेल सकते हैं तो लड़कियां भी। जरूरत है तो कोशिशों और तैयारी की |

यहॉ विभिन्न महिला खिलाड़ियों के चित्र दिए गए है,
उन्हें  एवं उनके द्वारा खेले जाने वाले खेलों की पहचान करे।
पहचानो कौन महिला खिलाड़ी है? कौन सा खेल खेल रही हैं?

(सही चित्र के सामने सही खेल का नाम रूक जाएगा, नहीं तो अपनी ज़गह वापस आ जायेगा।)

| | |
|---|---|
| साइना नेहवाल का चित्र | बैडमिंटन |
| पी.टी उषा का चित्र | हॉकी |
| मेरी कॉम का चित्र | बॉक्सिंग |
| सबा अंजुम का चित्र | क्रिकेट |
| दीपिका पल्लीकत का चित्र | रनर |
| अंजली  भगत का चित्र | स्क्वैश |
| दीपिका कुमारी का चित्र | आर्कऱी |
| निशा मिलिट का चित्र | शूटिंग |
| झूलन गोस्वामी का चित्र | स्विमिंग |

सही उत्तर

1. साइना नेहवाल - बैंडमिन्टन
2. पी.टी उषा  - रनर
3. मेरी कॉम  – बॉक्सिंग
4. सबा अंजुम – हॉकी
5. दीपिका पल्लीकत – स्क्वैश
6. अंजली भगत – शूंटिग
7. दीपिका कुमारी – आर्कऱी
8. निशा मिलिट- स्वीमिंग
9. झूलन गोस्वामी  - क्रिकेट

विषय : पर्यावरण अध्ययन

कक्षा : V

थीम : वस्तुएं बनाना एवं सृजनात्मक कार्य

शीर्षक : कागज़ बनाना

आडियन्स : विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक

उद्देश्य : 1. काग़ज का पुन: चक्रण करना।

2. पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनना।

सूचक शब्द : काग़ज का पुन: चक्रण करना

स्त्रोत : www.ncert.nic.in/deptt/nic/dee/publictaion/pdf/Pustkan-se-pare-kamara%20- parayavaranpdf, page-267

**Instruction for developer:**

| ऑडियो | वीडियो |
|---|---|
| दोस्तो ! कागज का प्रयोग तो हम रोज ही करते है और हम यह भी जानते हैं कि यह हमारे लिए कितना जरूरी है। पर क्या तुम जानते हो कि कागज का फिर से नया भी बनाया जा सकता हैं ?<br>नहीं ..... तो चलो<br>आज हम कागज़ को फिर से नया करने के बारे में जानेगे । | **Slide 1** |
| सबसे पहले तुम्हें कागज़ के छोटे-2 टुकड़े एकत्र करने है या फिर प्रयोग हो चुके बड़े कागज़ों के छोटे-2 टुकड़े कर लो। | चित्र 1<br>कागज़ के छोटे-2 टुकड़े लो |
| कागज़ के इन टुकड़ों को पानी के एक डिब्बे में भर लो। | चित्र 2<br>कागज़ के इन टुकड़े एक पानी के डिब्बे में है। |
| अब लगभग चार लीटर गुनगुने पानी में एक चम्मच ब्लीचिंग पाउडर मिलाओ। ब्लीचिंग पाउडर आपके आस-पास किसी दवाई या पंसारी की दुकान में मिल जाता है। | चित्र 3<br>पानी और ब्लीचिंग पाउडर दिखाते हुए। |
| अब भीगे कागज़ों को ब्लीचिंग पाउडर वाले पानी में डाल दो। | चित्र 4<br>पानी में कागज के टुकड़े डालते हुए |

कागज़ों को इस पानी में लगभग आधा घंटा भीगने दो।
अगर कागज़ मोटा है तो आधे घंटे से कुछ ज़्यादा समय तक भीगने दें।

चित्र 5

कागज़ पूरी तरह से ब्लीचिंग पाउडर के पानी में भीगे हुए हैं।

चित्र 6

अब लगभग एक कप भीगे कागज़ को मिक्सी में डाल दो। इसमें दो चम्मच ब्लीचिंग पाउडर व पानी डालो। तेज़ स्पीड पर मिक्सी चलाकर इस कागज़ और पानी के मिश्रण से स्लरी (slurry) बना लो। यह प्रक्रिया तब तक जारी रखो जब तक सारा कागज़ गाढ़ा घोल न बन जाए।

मिक्सी में भीगें कागज़, ब्लीचिग पाउडर डालकर मिक्स करते हुए

चित्र 7

इस गाढ़े घोल को एक छलनी में छान ले जिससे स्लरी में से अतिरिक्त पानी निकल जाये ।

कागज़ का गाढा घोल एक बड़े बर्तन में दिखाते हुए।

इस छाने हुए गूदे को साफ और समतल जगह पर फैला दें।

चित्र 8

स्लरी को छन्नी से छानते हुए

फैलाये हुए गूदे पर सैलोफ़ेन शीट ढक दें । बेलन से दबाकर और फैला कर इसमें से अतिरिक्त पानी निकाल दो और सैलोफैन शीट को ध्यान से हटा दो।

चित्र 9

गुदे को समतल और साफ जगह पर फैलाते हुए

चित्र 10

फैले हुए गुदे पर पन्नी बिछाकर बेलन से बेलते हुए

अब इस नए तैयार कागज़ को पूरी तरह सूखने दो। इसमें एक या दो दिन लग सकते हैं।

चित्र 11

नये पेपर को सूखने के लिए रखा हुआ

चित्र 12

यह लो आपका नया पेपर तैयार।

नया सूखा पेपर

इस चित्र में पेपर बनाने के चरणों को बिना क्रम के देख रहे को तुम ।

1 4 3 2 6

5 8 7 10 12

9 11

| | |
|---|---|
| अब तुम्हें कागज को फिर से नया बनाने के चित्रों को सही क्रम में लगाना है ।सही क्रम में लगाने पर तालियाँ बजेगी । और गलत होने पर फिर से प्रयास करो की आवाज आएगी | 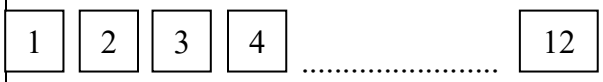 |

Note: Enclosed Picture is only for reference purpose. This acticity can also be video graphed

.

Subject : Environmental Studies

Theme : Travel

Class : III

Topic : Visit to Railway Station

Objectives : 1. To familiarize the learners with the surroundings of railway station.
2. To make the learners analyze the do's & dont's while travelling through train.

Keywords : Railway Station, Platform, Platform Ticket, Railway Track

| **Audio** | **Video** |
|---|---|
| Can you guess this place?<br>Yes…it is a picture of railway station.<br>It is a place where trains stop. Here people, who have to get down, deboard the train and those who have to go, board the train. | **Image of railway station**<br><br>(Pictures of Platform & Platform Ticket, Railway Track, Moving train, Chain, Seats, Sleeper Seats.) |
| 1. Platform- Where the Train stops and allows people to board and deboard the train. | 1. Platform |
| 2. Platform Ticket- it is a token which gives you entry to the station. | 2. Platform Ticket |
| 3. Railway Track- it is a path where the train moves | 3. Railway Track |
| 4. Seats- Where you sit in train | 4. Seats |
| 5. Sleeper Seats- it is meant for Sleeping in train. | 5. Sleeper Seats |
| 6. Chain- Used in case of Emergency to stop the moving Train. | 6. Chain |
| **Some Do's & dont's** | **Some Do's & dont's** |
| 1. We should not run on railway track. | Image of people running on railway track, with× sign. |
| 2. Always buy passenger ticket and platform ticket. | Image of passenger buying ticket, with Sign. |

| | |
|---|---|
| 3. We should board the train at platform. | Image of passengers boarding train at platform, with sign. |
| 4. Chasing the moving train is not good. | Image of people running behind the moving train, with sign. |
| 5. Only in case of emergency we should pull chain to stop the train. | Image of a child pulling chain in train for fun sake, with sign. |
| 6. Passengers should always check above and below their seats. | Image of a passenger checking below to their allotted seat, with sign. |
| 7. In case of any doubt call railway police. | Image of a person calling police and pointing towards an unclaimed bag, with sign. |
| 8. We should be careful with our baggage. | Image of the person locking his/ her bags with train seat with sign. |
| 9. We should not stand near or at the door of train. | Image of people standing at the door and on the roof of train, with sign. |
| **10.** We should avoid taking eatables or drinks from the strangers. | Image of sharing eatables among co-passengers in train. |

- **Teacher may discuss on each do's and don’ts and allow children to share their experience.**

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | IV |
| थीम | : | यात्रा |
| शीर्षक | : | रेलवे **टिकट** |
| ऑडियंस | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| उद्देश्य | : | यात्रा में रेल टिकट में आवश्यक जानकारी पढ़ना |
| सूचक शब्द | : | रेलवे टिकिट, यात्रा, पी.एन.आर. नंबर |

**Instruction for development**

स्क्रीन पर रेलवे टिकेट आएगी

| ऑडियो | विडियो |
|---|---|
| क्या तुमने कभी ट्रेन में सफर करा है?<br>कितना मज़ाआता है ना जब ट्रेन ज़ोरो से रफ़्तार पकड़ती है और हम लंबे से लंबा सफर कुछ ही घंटो में पूरा कर लेते है/ ट्रेन से जाने के लिए टिकट लेनी होती है/पर उस टिकट में क्या क्या जानकारी होती है, कभी पढ़ा है?<br>चलो आओ आज हम जानने की कोशिश करेगे की ट्रेन की टिकट से हम क्या जान सकते है/<br><br>इस टिकिट को ध्यान से पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तरढूँढ़ो | **चित्र-** रेल<br>**चित्र- यात्री ticket counter से टिकट लेते हुए**<br><br>**चित्र-** रेलवे टिकेट<br><br>प्रश्न 1 : रेल संख्या क्या है ?<br>☐ 12367 ☐ 12637<br>प्रश्न 2 : पी. एन. आर. संख्या क्या है ?<br>☐ 610-2988283 ☐ 610-2889280<br><br>प्रश्न 3 : यात्रा की तिथि क्या है ?<br>☐ 20/05/2011 ☐ 16/11/2011<br><br>प्रश्न 4 : यात्रा की दूरी कितनी है ?<br>☐ 222km ☐ 111km |

| | |
|---|---|
| | प्रश्न 5 : टिकट का मूल्य कितना है ?<br>☐ Rs. 500 ☐ Rs. 250<br><br>प्रश्न 6 : कोच संख्या क्या है ?<br>☐ B1 ☐ A3<br><br>प्रश्न 7 : बर्थ (सीट) संख्या क्या है ?<br><br>☐ 49 ☐ 61<br><br>प्रश्न 8 : यात्रियों की आयु कितनी है ?<br>☐ 61 ☐ 25<br><br>प्रश्न 9 : यात्रा कहाँ से कहाँ तक की जा रही है ?<br>☐ दिल्ली से पटना ☐ भागलपुर से पटना<br><br>प्रश्न 10 : रेल का नाम क्या है ?<br>☐ विक्रमशीला एक्सप्रेस ☐ विक्रम एक्सप्रेस |

दसवें प्रश्न के बाद submit बटन आता है यदि दी गई जानकारी ठीक होती है तो फॉर्म जमा हो जाता है और View बटन आता है जिसमें भरी गई जानकारी एक साथ दिखाई जाती है और यदि भरी गई जानकारी गलत होती है तो जो भी जानकारी गलत होती है वह लाल रंग से दिखाई देती है और दोबारा प्रयास करें कि ध्वनि सुनाई देती है और फिर से Submit बटन आता है।

**Answers-**

1. 12367
2. 610-2988283
3. 16/11/2011
4. 222km

5. Rs. 500
6. B1
7. 49
8. 61
9. भागलपुर से पटना
10. विक्रमशीला एक्सप्रेस

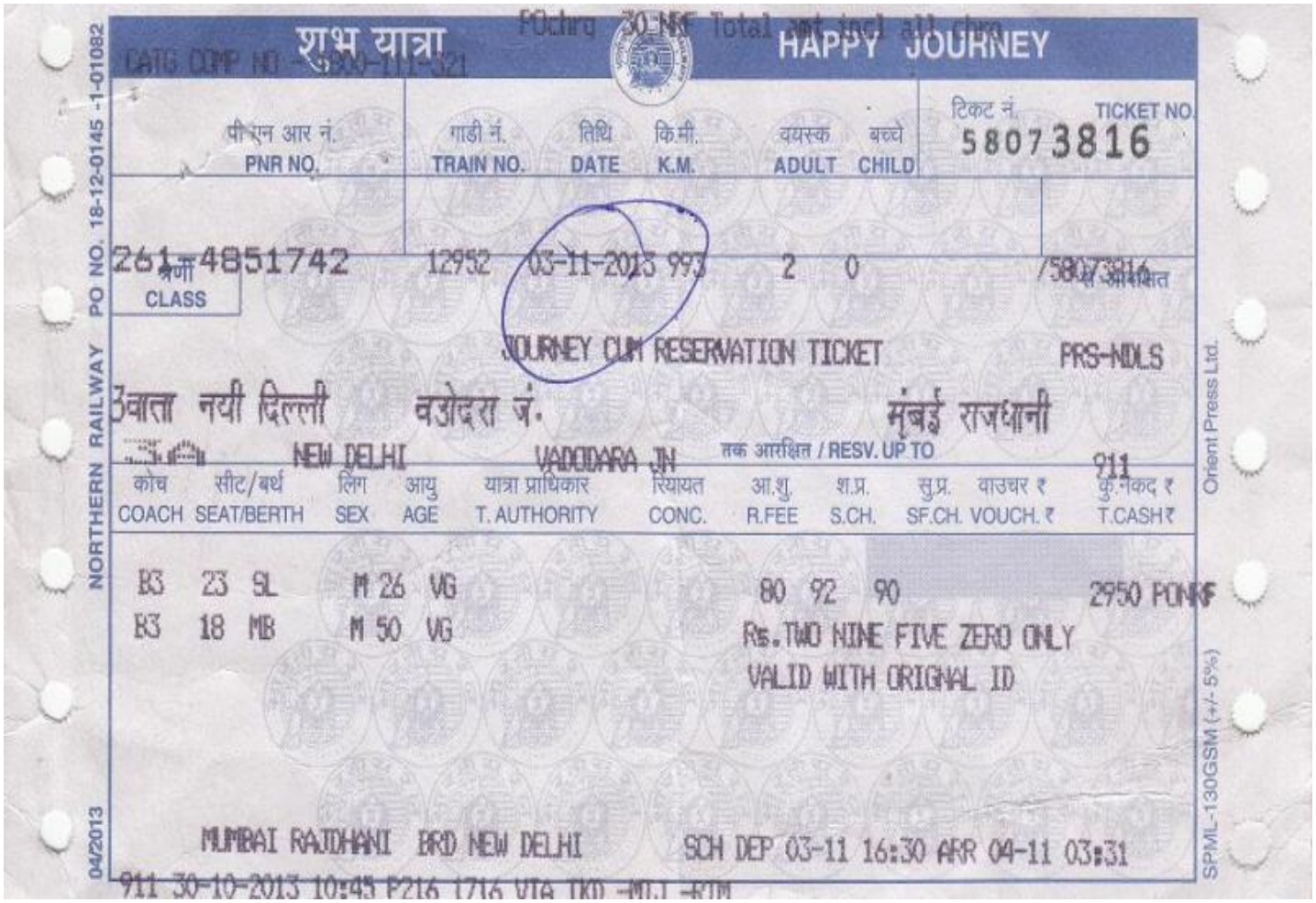

विषय : पर्यावरण अध्ययन

कक्षा : V

थीम : यात्रा

शीर्षक : **सिक्कों का संग्रहालय (आज़ाद सिक्कों का सफ़र)**

ऑडियंस : विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक

उद्देश्य : 1. सिक्कों के इतिहास का जानना।
2. संग्रहलयों की उपयोगिता।
3. पुरानी चीजों के रखरखाव के प्रति सचेचता।

सूचक शब्द : संग्रहालय, सिक्के, पैसा, रूपया

स्त्रोत : https://www.you tube.come/watch?v=Yg5W-fpo-rg
https://ww.youtube.com/watch?v=OzyJ0qPBOU0

Instruction for developer

1. निकिल -पीतल
2. निकिल -स्टील
3. निकिल -पीतल
4. निकिल -ताम्बे
5. निकिल -स्टील

| **आडियो** | **वीडियो** |
|---|---|
| क्या तुम इन सिक्कों को पहचानते हो ?<br>आओ, पढ़ते हैं इन सिक्कों को। इन पर क्या – क्या लिखा है ? कीमत, सन, देश का नाम, वर्ष, सत्यमेव जयते और बने हुए हैं कुछ चित्र। | चित्र – आज के प्रचलित सिक्के<br>(एक रु. दो रु. पाँच रु. दस रु.)<br>(सिक्कों के दोनों तरफ के चित्र) |
| इन सिक्कों को ध्यान से देखो और बताओ कि इनमें क्या–क्या भिन्नताएँ हैं। | चित्र एक रु. के सिक्के (दोनों तरफ)<br>वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष<br>1999 2002 2009 2015 |
| अब इन सिक्कों में भिन्नताएँ देखो तो। | चित्र – दो रु. के सिक्के (दोनों तरफ)<br>वर्ष वर्ष<br>2009 2016 |
| इन सिक्कों में एक-दूसरे से क्या-क्या भिन्नताएँ दिख रही हैं ? इनके रंग को भी ध्यान से देखो। क्या फर्क लगा ? ऐसा क्यों होगा ? | चित्र – पाँच रु. के सिक्के (दोनों तरफ)<br>वर्ष वर्ष<br>1996 2016 |

| | |
|---|---|
| इस सिक्के में और दूसरे सिक्कों की बनावट में क्या अंतर है ? | चित्र – दस रु. का सिक्का (दोनों तरफ)<br>वर्ष<br>2012 |
| इन सिक्कों के आकार, भार रंग और बनावट में तुमने देखा कि समय-समय पर अंतर आ रहे हैं। क्या इन सबमें कोई समानता भी है। ज़रा ध्यान से देखो तो ? क्यों ?<br>अब सोचो वर्ष 1947 से तो कितने ही परिवर्तन आ चुके होंगे। क्या ये सिक्के तुमने कहीं देखे हैं। तुम्हारे मम्मी-पापा ने तो इन्हें खर्चा भी होगा। लेकिनआज ये कहीं भी नहीं दिखते। इनकी बनावट, आकार, रंग, भार सब कुछ कितना फर्क है। ये सिक्के निकिल और स्टील धातुओं को मिलाकर बने हैं। क्या तुम जानते हो कि ये नए सिक्के हमारे देश में कब से इस्तेमाल होने शुरू हुए ? नहीं न। सन 1947 में आज़ाद होने के बाद भी ब्रिटिश सरकार द्वारा चलाए गए सिक्के ही चलते रहे। लेकिन जब 1950 में हमारा संविधान लागू हुआ तभी से ये नए सिक्के भी प्रचलन में आए। लेकिन तुमने कभी ये सोचा है कि आख़िर ये सिक्के बनते कहाँ पर हैं ? ये मुम्बई, कोलकाता, हैदराबाद और नोएडा में बनते हैं। | रुपये<br>राष्ट्रीय चिन्ह और देश का नाम<br>चित्र – पुराने सिक्के (वर्ष 1947 के बाद)<br>एक पैसा दो पैसे तीन पैसे<br>पांच पैसे दस पैसे बीस पैसे<br>पच्चीस पैसे पचास पैसे एक रुपया<br><br>मोरी वाला पैसा घोड़े वाला पैसा<br><br>चित्र –<br>मोरी वाला पैसा घोड़े वाला पैसा<br><br>**1947** देश की आज़ादी<br>**1950** नए सिक्कों का प्रचालन<br>चित्र – भारत का नक्शे में (मुम्बई, कोलकाता, हैदराबाद और नोएडा पर फोकस) |
| इनसे मिलिए, ये हैं मध्य प्रदेश के प्रकाश चन्द्र। ये कचौड़ी बनाने का काम करते हैं। लेकिन सिक्कों का संग्रह करना इनका एक शौक है। देखें इनके संग्रहालय में क्या-क्या है ? | वीडियो – प्रकाश चन्द्र का संग्रहालय |
| देखे तुमने, ये तरह-तरह के सिक्के ! आओ, अब चलते हैं चारमीनार, हैदराबाद में। ये देखो पुराने सिक्के और नोटों को लोग खरीद रहे हैं, संग्रह करने के लिए। | वीडियो – चारमीनार, हैदराबाद<br>सिक्के बनते हुए |
| भारत के मानचित्र को देखो। किन चीज़ों से बनाया गया है ये ? कैसा लगा तुम्हें ? इसमें सभी तरह के सिक्के दिख रहे हैं न। | चित्र – भारत का नक्शा<br>(पुराने सिक्कों से बना हुआ) |
| आओ, कुछ सोचें (सही उत्तर होने पर हरी बत्ती जलेगी)। इसका रंग देखकर अंदाज़ा लगाओ कि ये | (निकिल-ताँबा, निकिल-स्टील, निकिल-पीतल)<br>चित्र – दस रु. का सिक्का |

| | |
|---|---|
| किस धातु का बना होगा ?<br>ये सिक्का किस धातु का बना होगा ? | चित्र – पाँच रु. का सिक्का (1996) |
| ये किस धातु का बना होगा ? | चित्र – पाँच रु. का सिक्का (2016) |
| इसके रंग को देखो और बताओ कि ये किस धातु से बना होगा ? | चित्र – मोरी वाला पैसा |
| ये किस धातु का बना है ? | चित्र – दो रु. का सिक्का |
| तुम भी बना सकते हो अपना संग्रहालय। किसी भी चीज़ जैसे स्टैम्प, अपनी तस्वीरें, अपने कपड़े किताबें आदि संग्रह करके तुम अपना संग्रहालय बना सकते हो। और हाँ ! कोई पुराना सिक्का मिलने पर उसे फेंकना मत। ये हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। | संग्रहालय हमारी सांस्कृतिक धरोहर |

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | IV |
| थीम | : | यात्रा |
| शीर्षक | : | आओ नक्शा पढ़ें |
| ऑडियंस | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| उद्देश्य | : | दिए गए नक्शे को पढ़कर विभिन्न दिशाओं का अनुमान लगाना |
| सूचक शब्द | : | नक्शा, मानचित्र, दिशाएँ |
| स्रोत | : | NCERT book, पुस्तकों से परे हमारा पर्यावरणPage 255, picture- 4.14 |

**Link**http://www.ncert.nic.in/departments/nie/dee/publication/pdf/Pustakon_se_pare_hamara%20_paryavaran.pdf

**Instruction for the Developer :**

***Animated Map will appear on screen***

| ऑडियो | विडियो |
|---|---|
| चित्र में दिए इस नक्शे को देखो और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दो। यहाँ कुछ विकल्प दिए गए हैं। सही विकल्प पर क्लिक करने पर आएगी तालियों की आवाज़। उत्तर ग़लत हो जाने पर आएगी 'फिर से प्रयास करो' की आवाज़। | MAP |
| 1. यह कहाँ का नक्शा है? | 1. यह कहाँ का नक्शा है?<br>☐ सड़क<br>☐ अस्पताल<br>☐ विद्यालय<br>☐ खेल का मैदान |
| 2. नक्शे में क्या–क्या नजर आ रहा है? | 2. नक्शे में क्या–क्या नजर आ रहा है?<br>☐ नदी<br>☐ खेल का मैदान<br>☐ lhf<+;kj<br>☐ xkfM+;kj |

| | |
|---|---|
| | ☐ पार्किंग |
| *यदि तुम स्कूल के गेट पर स्कूल की तरफ मुँह करके खड़े हो तो* | *3.* *यदि तुम स्कूल के गेट पर स्कूल की तरफ मुँह करके खड़े हो तो* |
| (i) प्रिंसिपल का कमरा तुम्हारी किसी दिशा में है? | (i) प्रिंसिपल का कमरा तुम्हारी किसी दिशा में है?<br>☐ दाएँ<br>☐ बाएं |
| (ii) वाहन पार्किंग किस दिशा में है? | (ii) वाहन पार्किंग किस दिशा में है?<br>☐ दाएँ<br>☐ बाएं |
| (iii) खेल का मैदान किस दिशा में है? | (iii) खेल का मैदान किस दिशा में है?<br>☐ दाएँ<br>☐ बाएं |
| तुम सीढ़ियों मेंस्कूल के गेट की तरफ मुँह करके खड़े हो, तो तुम्हारी बायीं तरफ कौन सी कक्षाएँ हैं? | 4. तुम सीढ़ियों में स्कूल के गेट की तरफ मुँह करके खड़े हो, तो तुम्हारी बायीं तरफ कौन सी कक्षाएँ हैं?<br>☐ III A ☐ III B<br>☐ D II ☐ V A<br>☐ II B ☐ II C |
| अब तुम अपने घर का नक्शा बनाओ और देखो मुख्य द्वार से कौन - कौन सा स्थान किस - किस दिशा में हैं? | अब तुम अपने घर का नक्शा बनाओ और देखो मुख्य द्वार से कौन - कौन सा स्थान किस - किस दिशा में हैं? |

सही उत्तर -

1. विद्यालय2.खेल का मैदान, सीढ़ियाँ, बगीचा, कक्षाएँ , पार्किंग3. (i)दाएँ (ii) बाएँ(iii)बाएँ 4. VA, VD, NA, ND

विषय : पर्यावरण अध्ययन
कक्षा : IV
थीम : यात्रा
शीर्षक : पहचानें नोटों को
ऑडियंस : विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक
उद्देश्य : विभिन्न प्रकार के नोटों का अवलोकन करना।
उन पर अंकित चिन्हों की पहचान करना एवं अन्य जानकारी पढ़ना।
सूचक शब्द : भार, क्विंटल, किलोग्राम, ग्राम

**Instruction for development –**

| **ऑडियो** | **वीडियो** |
|---|---|
| चित्र में तुम क्या देख रहे हो? पहचानते हो इन्हें? | **10, 20 रू के नोट,50 रू के नोट,100 रू के नोट को बड़ा करके दिखाया जाएगा**<br><br>**( one by one 10, 20, 50, 100, 500, 2000 note will appear on screen)** |
| ये है 20 रू का नोट। इसमें ये चौकोर का निशान देखो।<br>**(highlight the symbol)** | |
| ये नोट कितने रू का है?<br>इसमें इस ☐ को ध्यान से देखो।<br><br>**(highlight the symbol)** | |

और ये 100 रू का नोट। इसमें बना है यह △ निशान।
**(highlight the symbol)**

नया 500 का नोट
**(highlight the symbol)**

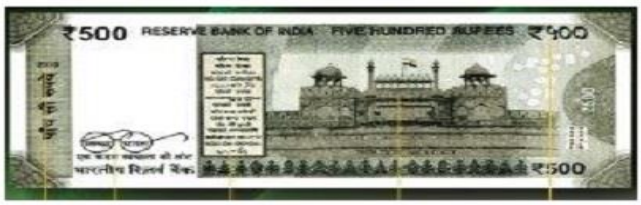


नया2000 का नोट
चिन्ह को बड़ा करके दिखाया जाता है।
**(highlight the symbol)**

आख़िर क्यों बने हैं ये निशान? क्या होता है इनसे? अब तुम घर में इन नोटों पर बने निशानों को आँख बंद करके छूना और पहचानने की कोशिश करना। इन्हीं निशानों को छूकर जो लोग देख नहीं सकते वो इन नोटोंको पहचानते हैं। अब ज़राइन नोटों को पढ़ें। सही उत्तर पर निशान लगाए।

चित्र - हाथ से छूकर नोट पहचानते हुए।

1. नोटो पर किस बैंक का नाम लिखा गया है।
   - ☐भारतीय रिज़र्व बैंक
   - ☐रिज़र्व बैंक दिल्ली

| | |
|---|---|
| सोचो<br>प्रत्येक नोट पर यह चिन्ह क्यों दिए गए होंगे ? | 2. नोटों पर कौन से चिन्ह हैं ?<br>☐विभिन्न shapes के<br>☐पौधों के<br><br>3. नोट पर किसकी फोटो बनी है ?<br>☐जवाहर लाल नेहरू<br>☐महात्मा गाँधी<br><br>4. क्या सभी नोटों पर संख्या दी गई है ?<br>☐नहीं<br>☐हाँ<br><br>प्रत्येक नोट पर यह चिन्ह क्यों दिए गए होंगे ? |

1. भारतीय रिज़र्व बैंक 2. विभिन्न shapes के 3. महात्मा गाँधी
4. हाँ - पर ☺ आएगा।

**सही उत्तरो पर स्माइली आएगा और गलत उत्तरो पर दुबारा प्रयास करो की आवाज़ आएगी**

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | पाँच |
| थीम | : | यात्रा |
| शीर्षक | : | Zoo Map |
| ऑडियंस | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| उद्देश्य | : | 1. एक जगह जाने के विभिन्न रास्तों की पहचान करना।<br>2. किसी जगह से दूसरी जगह पहुँचने के लिए दिशा मार्ग बता पाना। |
| सूचक शब्द | : | नक्शा , दिशा |

**Instruction for the developer:**

**स्क्रीन पर नक्शे का Top view दिया जायेगा जिसे विद्यार्थी जूम इन व जूम आउट कर सकेंगें**
**स्क्रीन पर एक कार भी आयेगी**
**User को सबसे छोटे व सबसे बड़े रास्ते से कार में बैठे अमित को** Zoo **तक पहुँचाना हैं**
**स्क्रीन पर यह Caption आएगी –**
कार में बैठे अमित को नहीं पता कि Zoo किस रास्ते पर पड़ेगा। मानचित्र देखो और छोटे रास्ते से उसे Zoo तक पहुँचाओ-

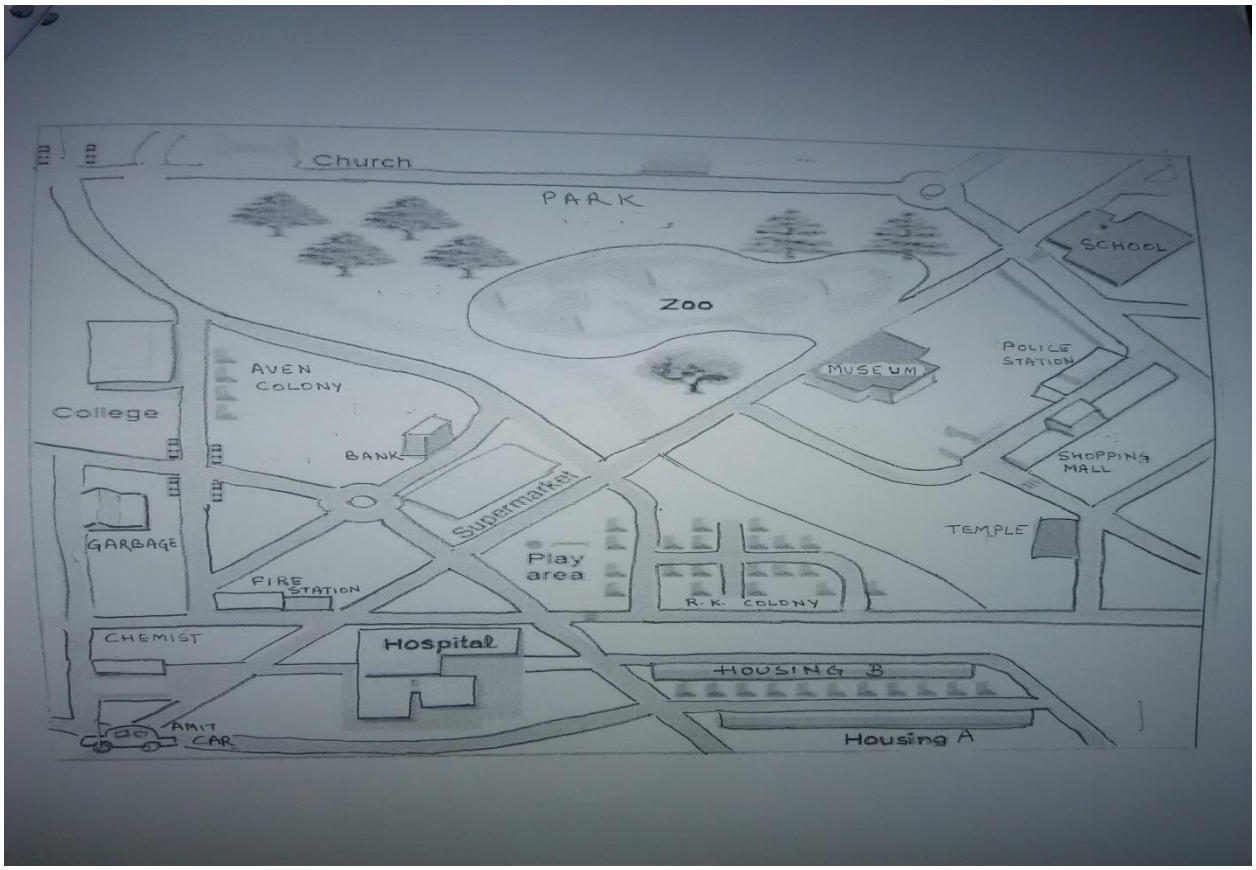

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | पाँच |
| थीम | : | यात्रा |
| शीर्षक | : | बोलती इमारतें |
| ऑडियंस | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| उद्देश्य | : | * नक्शा को पढ़ना<br>* नक्शे में दिशाओं का अनुमान लगाना और अलग – अलग जगहों का मार्ग खोजना |
| सूचक शब्द | : | दिशाओं का अनुमान, नक्शे को पढ़ना |
| स्रोत | : | ncert book.Pustako se pare humara paryavaran, ( नक्शा, पृष्ठ -266 पुस्तकों से परे हमारा पर्यावरण, Link - http://www.ncert.nic.in/departments/nie/dee/publication/pdf/Pustakon_se_pare_hamara%20_paryavaran.pdf |

Instruction for developers:

स्क्रिप्ट में दिए स्थानों के नक्शे को graphic में draw करना होगा। जिससे सही दिशा की जानकारी मिल सके।

| **ऑडियो** | **वीडियो** |
|---|---|
| किसी जगह पर पहुँचने के लिए तुम रास्ता कैसे ढूँढते हो?<br>नक्शे में अलग-अलग स्थानों और उनकी दिशाओं को कैसे पहचानें ? | • पूछकर<br>• वहाँ का नक्शा देखकर |
| इस नक्शे को देखकर पूछी गई जगह तक पहुँचने के लिए रास्ता बनाओ।<br>1 यदि तुम अरविंद मार्ग पर हो और बाहरी रिंग रोड की तरह जा रहे हो तो मुनीरका जाने के लिए किस दिशा में मुडोंगे ?<br>2 बाहरी रिंग रोड से NH-8 पर जाने के लिए किस दिशा में मुड़ना होगा ?<br>3 यदि साकेत स्कूल से तुम मथुरा रोड की ओर देख रहे हो | चित्र (नक्शा)<br>पुस्तकों से परे पर्यावरण<br>Page 266 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| तो कुतुबमीनार तुम्हारी किस दिशा में है ? | | | |
| 4 महरौली बदरपुर रोड से नेल्सन मंडेला मार्ग पर जाने के लिए तुम किन-किन रास्तों से जा सकते हो? | | | |
| 5 गुड़गाँव फरीदाबाद मार्ग से मुनीरका जाने के लिए तुम किस-किस रास्ते का प्रयोग कर सकते हो ? | | | |
| **Instruction for the users**<br>**सही विकल्प निशान लगाएं (सही उत्तर पर लाल बत्ती जलेगी)** | | | |
| 6 तुम महरौली मार्ग पर मुनीरका की तरफ मुँह करके खड़े हो तो कुतुब मीनार तुम्हारी किस दिशा में है ? | ① दाईं | ② बाईं | ③ पूर्व |
| 7 तुम मथुरा मार्ग पर NH-8 की तरफ मुँह करके खड़े हो तो साकेत स्कूल तुम्हारी किस दिशा में है ? | ① पश्चिम | ② पूर्व | ③ दाएँ |
| 8 तुम मुनीरका पर नेल्सन मंडेला मार्ग की तरफ मुँह करके खड़े हो तो साकेत स्कूल तुम्हारी किस दिशा में है? | ① दाएँ | ② बाएँ | ③ पूर्व |

नक्शे मार्गदर्शन के लिए हैं न कि मुल्कों के बीच दीवारें खड़ी करने के लिए।

विषय : पर्यावरण अध्ययन
कक्षा : पाँच
थीम : यात्रा
शीर्षक : किलोमीटर या मीटर
ऑडियंस : विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक
उद्देश्य : यह जानना कि दूरियाँ की माप कि. मी. में की जाती है ।
सूचक शब्द : दूरियाँ मापने का तरीका

Instruction for developers:
माप पर क्लिक करने से split frame में दोनों options एक साथ दिखाए जाएगें दोनों में से एक पर निशान यदि ठीक है (√) और अगर गलत होगा तो उस पर blinking होगी लिखा हुआ आएगा दोबारा कोशिश करों।

एक-एक करके Slide दिखाई जाती है और साथ में श्रव्य सुनाई देता है।

| | किलोमीटर या मीटर | किलोमीटर या मीटर |
|---|---|---|
| 1. | साड़ी का चित्र<br>☐ ☐<br>किलोमीटर मीटर<br>श्रव्य सुनने के बाद सही जवाब पर √लगाते हैं। | आप साड़ी को किसमें मापोगें ?<br>कि.मी. या मी. |
| 2. | स्कूल से घर या घर से स्कूल का रास्ता ?<br>☐ ☐<br>किलोमीटर मीटर | तुम स्कूल से घर तक या घर से स्कूल का रास्ता किसमें नापा जायेगा ? |
| 3. | तुम्हारी पंसद की कोई जगह जो बहुत दूर है<br>☐ ☐<br>किलोमीटर मीटर | ऐसी कोई जगह है जहाँ तुम जाना चाहते हो उसका रास्ते की दूरी किसमें नापी जायेगी ? |

| | | |
|---|---|---|
| 4. | दुपट्टा<br>☐ ☐<br>किलोमीटर मीटर | दुपट्टे की लम्बाई किसमें नापी जाती है? |
| 5. | रेल टिकट का चित्र<br>☐ ☐<br>किलोमीटर मीटर | टिकट में ...से ... की दूरी किसमें लिखी है ? |

**Instruction for user**

वह प्रत्येक Slide में कि०मी० या मी० को cursor से Tick करते हैं।

सही उत्तर

1. मीटर
2. किलो मीटर
3. मीटर
4. रेल टिकट
5. किलोमीटर

अगर उत्तर सही नहीं होगा तो स्क्रीन पर 'दोबारा कोशिश करो' लिखा हुआ आएगा।

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | पाँच |
| थीम | : | यात्रा |
| शीर्षक | : | सुनीता अंतरिक्ष में 1 |
| ऑडियंस | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| उद्देश्य | : | 1 .बच्चों को विभिन्न स्थानों का वास्तविक हवाई दृश्य दिखाना। |
| | | 2. Vision-Spatial Thinking को प्रोत्साहित करना। |
| सूचक शब्द | : | कुतुबमीनार, लाल किले, विभिन्न परिप्रेक्ष्य। |

Instruction for developers:
स्क्रीन पर भारत के विभिन्न हवाई दृश्य के चित्र देने है
बच्चे स्क्रीन पर आकार वर्धन (Zoom) करेगें और दृश्य में होने वाला परिवर्तन का अवलोकन करेगें।

<table>
<tr><th><u>Audio</u></th><th><u>Video</u></th></tr>
<tr><td>दोस्तों ! हमें कोई भी चीज़, इमारत या तुम्हारा स्कूल ही ! अलग -अलग स्थान से देखने पर अलग-अलग नज़र आता है .. इतना कि कभी हम उन चीज़ों को पहचान भी नहीं पाते जिन्हें हम रोज़ देखते जाते है...</td><td>विभिन्न परिप्रेक्ष्य से अलग-अलग चीज़ों के चित्र<br><table><tr><td>जमीन से कुतुबमीनार का चित्र</td><td>कुतुबमीनार का हवाई दृश्य चित्र (Topview)</td><td>किसी स्कूल का (Top view)</td></tr></table><br><table><tr><td>लाल किले का Front view</td><td>लाल किले का Top view</td></tr></table></td></tr>
<tr><td>देखो... यह हैं मीरा जो रोज़ इन गलियों से स्कूल, बाज़ार, पार्क जाती है और इन गलियों को अच्छे से जानती है... पर जब इसने देखा इन्हीं गलियों का यह चित्र तो हैरान रह गई ! है ना कितनी अलग...??</td><td>किसी बच्ची का चित्र<br>किसी भी मौहल्ले का चित्र /विडियो</td></tr>
<tr><td>तुमने भी कभी सोचा है कि तुम्हारा घर, वो जगहें जहाँ तुम घूमने जाते हो या फिर हमारे सुंदर-सुंदर पहाड़, नदियाँ इस</td><td>अलग -अलग जगहों के चित्र स्क्रीन पर आऐंगे।<br>किसी भी जगह का चित्र</td></tr>
</table>

| | |
|---|---|
| तरह देखेंगे तो कैसी लगेगी..??<br>ये है हेलिकॉपटर से लिया ..चित्र<br>है न कमाल ! | |

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | पाँच |
| थीम | : | यात्रा |
| शीर्षक | : | सुनीता अंतरिक्ष में 2 |
| ऑडियंस | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| उद्देश्य | : | Vision-Spatial Thinking को प्रोत्साहन देना। |
| सूचक शब्द | : | स्वर्ण मंदिर, इमारतें, गोलकोंडा, विभिन्न परिप्रेक्ष्य। |

**Instruction for the developer:**

पहचानों मैं कौन ??

1. ताजमहल का चित्र (Top view)

किन्हीं तीन प्रसिद्ध इमारतों का चित्र (front view)

स्वर्ण मंदिर | ताजमहल | लोट्स टैम्पल

शिक्षार्थी अपने जवाब के लिए एक चित्र पर क्लिक करेगें।

2. स्वर्ण मंदिर का चित्र (Top view)

किन्हीं तीन प्रसिद्ध इमारतों का चित्र (front view)

स्वर्ण मंदिर | लाल किला | कुतुबमीनार

शिक्षार्थी अपने जवाब के लिए एक चित्र पर क्लिक करेगें।

3.गोलकोंडा / अन्य किला (Top view)

किन्हीं तीन प्रसिद्ध इमारतों का चित्र (front view)

ताजमहल | राष्ट्रपति भवन | गोलकोंडा

शिक्षार्थी अपने जवाब के लिए एक चित्र पर क्लिक करेगें।

4. राष्ट्रपति भवन
(Top view)

किन्हीं तीन प्रसिद्ध इमारतों का चित्र (front view)

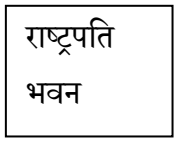


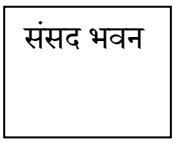


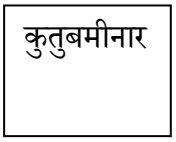


शिक्षार्थी अपने जवाब के लिए एक चित्र पर क्लिक करेगें।

5. कुतुब मीनार
(Top view)

किन्हीं तीन प्रसिद्ध इमारतों का चित्र (front view)

शिक्षार्थी अपने जवाब के लिए एक चित्र पर क्लिक करेगें।

1. ताजमहल का चित्र (Front view)
2. स्वर्ण मंदिर का चित्र (Front view)
3. गोलकोंडा / अन्य किला (Front view)
4. राष्ट्रपति भवन (Front view)

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | V |
| थीम | : | यात्रा |
| शीर्षक | : | चिट्ठी आई है |
| ऑडियंस | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| उद्देश्य | : | डाक टिकटों के द्वारा उनके देश को पहचानना |
| सूचक शब्द | : | डाक, टिकट |

## Instruction for the developer

स्क्रीन पर कुछ देशो के डाक टिकेट के चित्र और दूसरी तरफ देशो के नाम बिना क्रम के दिए जाएगे /
बच्चे उनके नामो को पहचान कर सही डाक टिकट तक ले के जाएगे/
सही उत्तर पर तालियों की आवाज़ आएगी और गलत उत्तर पर दुबारा प्रयास करे लिखा आएगा/

**डाक – टिकटों के चित्रदेश के नाम**

1.

पालने

2.

टाभून

3.

तभार

4.

रमाम्यॉ

5.

मेरिकाअ

6. 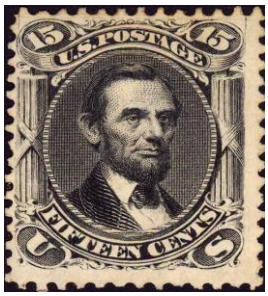

नची

7.

पुरसिंगा

- सही उत्तर- 1.भारत 2. सिंगापुर3. नेपाल 4. भूटान5. चीन6. अमेरिका 7. म्यांमार

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण |
| कक्षा | : | 5 |
| थीम | : | यात्रा |
| शीर्षक | : | बोलती इमारतें (सालारजंग म्यूजियम) |
| आडियन्स | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| उद्देश्य | : | 1. सालारजंग म्यूजियम से परिचय।<br>2. कला के नमूनों की सराहना।<br>3. म्यूजियम की आवश्यकता को समझना । |
| सूचक शब्द (Key words) | : | सालारजंग म्यूजियम, म्यूजियम, हैदाराबाद म्यूजियम |

**Instruction for developer:**

| **ऑडियो** | **वीडियो** |
|---|---|
| भारत के नक्शे में यह कौन सा प्रदेश देख रहे हो तुम<br>आओ, चलें आन्ध्र प्रदेश के हैदराबाद शहर में। यहाँ का मशहूर सालारजंग म्यूजियम जो देखना है हमें। | चित्र – भारत के नक्शे में आन्ध्र प्रदेश पर फोकस |
| तुमने नक्शों को पढ़ना तो सीख ही लिया है। अब देखते हैं, हैदराबाद के नक्शे में यह म्यूजियम कहाँ है ? इसके आस-पास की किन्हीं दो सड़कों के नाम बताओ तो? | चित्र – हैदराबाद के नक्शे में सालारजंग म्यूजियम पर फोकस। |
| यह है सालारजंग म्यूजियम का गेट और इसका ये बोर्ड।<br>इस पर कौन-कौन सी भाषाओं में लिखा हुआ है? | चित्र – म्यूजियम का गेट और नाम का बोर्ड |
| थोड़ा अंदर चलते हैं। यह चार मंज़िला इमारत में बना हुआ है। सालारजंग - III को कला के नमूने इकट्ठे करने का बेहद शौक था। इस म्यूजियम की शुरूआत उन्होंने ही की। बाद में प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू जी ने इसका उद्घाटन किया। यह म्यूजियम विश्व के प्रसिद्ध चार संग्रहालयों में से एक है। | चित्र – सालारजंग - III<br>चित्र – उद्घाटन समारोह |
| देखो, अंदर जाने के लिए बड़ों व बच्चों के लिए टिकट भी लगती है। टिकट की कीमत के बारे में लिखी सूचना को पढ़ो तो। | चित्र – अंदर जाने के लिए टिकट खिड़की |

| | |
|---|---|
| ये देख रहे हो न तुम, कला और पेंटिंग के तरह-तरह के नमूने। सिर्फ भारतीय कलाकारों की ही नहीं, यहाँ पर चीन, जापान और दूसरे कई देशों के कलाकारों की कृतियाँ भी हैं। | वीडियो<br>चित्र – संग्रहालय के अंदर के दृश्य |
| यह मूर्ति बिल्कुल ही जीवंत स्त्री दिखाई पड़ती है। इसे देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। | चित्र – घूँघट में रिबेका |
| उस ज़माने में इस्तेमाल होने वाली तलवारें, चाकू, बंदूक, पिस्तौल आदि सभी यहाँ पर रखे हैं। | चित्र – हथियार |
| और ये हैं शीशे में रखे हुए तरह-तरह के रंगीन और खूबसूरत बर्तन। अलग-अलग तरह के कपड़े और अन्य इस्तेमाल के ये सभी सामान यहाँ पर रखे हैं। | चित्र – बर्तन |
| ये हीरे ज़वाहरात और बेशकीमती पत्थरों से जड़े हुए आभूषण हैं जो शाही परिवार के लोग पहनते थे। | चित्र – राजाओं के व सुलतानों के आभूषण |
| ये चाकू औरंगज़ेब का है। इसका हैंडल सफेद ज़ेड का है और हीरे पन्नों से जड़ा हुआ है। | चित्र – औरंगज़ेब का चाकू |
| हैदराबाद के आस-पास के स्थानों पर हुई खुदाई में से ये सब सामान निकला था। जो उस समय के रहन-सहन की यादें ताज़ा करता है। | चित्र – खुदाई से निकले बर्तन व सामान |
| **ज़रा सोचो** –<br>यह मूर्ति किसकी है ?<br>यह कौन सा हथियार है और किसका है ?<br>सालारजंग म्यूज़ियम के आस-पास किन्हीं चार स्थानों के नाम बताओ। | चित्र - घूँघट में रिबेका<br>चित्र – औरंगज़ेब का चाकू<br>चित्र – हैदराबाद के नक्शे में सालारजंग म्यूज़ियम |
| हैदराबाद कौन से राज्य में पड़ता है ? नक्शे में देखो। | चित्र – भारत का नक्शा |
| **चर्चा करें :-** यदि म्यूज़ियम न होते तो क्या होता ? क्या ये ज़रूरी हैं ? | |

Subject : Environmental Studies

Theme : Animals

Class : III

Topic : Whose Print!!

Objectives : To identify the footprints of Animals / Birds

Keywords : OSTRICH, PAW, CRAWL, HOP, GIRAFFE, COW, GOAT, LION, BIRDS, ANIMALS, ELEPHANT, GOAT

**Instructions for Developer:**

- Display pictures/videos of following

Animals & Birds in natural setting. After each videos emphasis should be given to footprint of that bird/animal.

| | |
|---|---|
| LION | BIRDS |
| ELEPHANT | PIGEON |
| GIRAFFE | PARROT |
| COW | OSTRICH |
| GOAT | CROW |

→ Videos clips of birds/animals with focus on their footprint.

- Students will match the Animal & Birds to the footprint by dragging the mouse/cursor.
- If the right answers 'green' light is on and he gets a 'Cookie' as a motivation. (picture of cookie will be displayed).
- If the answer is wrong. Red light will blink.

| Audio | Video |
|---|---|
| DEAR FRIENDS!<br>LETS VISIT THIS JUNGLE.<br>WE WILL MEET MANY FRIENDS THERE!<br>(Main Gate of Jungle Opens) | LION ELEPHANT<br>PIGEON PARROT<br>GIRAFFE OSTRICH<br>COW CROW<br>GOAT CAMEL |
| MEET HIM! HE IS KING OF JUNGLE, LION.<br>(Lion wave his hand.<br>AND SO ON with all other animals) | LION (focus on their footprint) |
| ELEPHANT are herbivores .They only eat | ELEPHANT |

| | | |
|---|---|---|
| grass ,fruit, leaves and vegetables. Say hello … | | |
| Meet GIRAFFE, the tallest land animal in the world. | GIRAFFE | |
| Name this animals…right …say hello to COW | COW | |
| Here is GOAT. You know goat kid learn to stand within minutes of being born. | GOAT | |
| Meet PIGEON ….they were used as mail carriers to send and receive message. | PIGEON | |
| This bird has an ability to imitate human voice wave to PARROT. | PARROT | |
| Meet OSTRICH, the tallest and heaviest of all birds. This bird cannot fly. | OSTRICH | |
| Wave to CROW. You know Crow are emotional bird. They display happiness, anger, sadness. | CROW | |
| Meet this animal, ship of dessert…CAMEL.. Camel says hey to all. | CAMEL | |
| Now, you will see these animals & birds again you have to match their pictures to their footprint. Each corrects answer will give you one cookie lets see, who can collect how many cookies! | | |
| MATCH ANIMALS/BIRDS WITH THEIR FOOT PRINT | Pictures of animals<br><br>LION<br>BIRDS<br>ELEPHANT<br>PIGEON<br>GIRAFFE<br>PARROT<br>COW<br>OSTRICH<br>GOAT | Picture of Foot prints |

| | |
|---|---|
| | CROW |

***Extended Activity:***

Find out amazing facts about:

1. OSTRICH - (Foot)
2. CAMEL - (Hump)
3. CAT - (Hoofs)

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | IV |
| थीम | : | पेड़ पौधे |
| शीर्षक | : | फुलवारी |
| ऑडियंस | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| उद्देश्य | : | फूलों के विभिन्न उपयोगों की जानकारी |
| सूचक शब्द | : | फुल, गुलकंद, केवड़ा |

**Instruction for developer**

| ऑडियो | विडियो |
|---|---|
| अपने आस पास तो बहुत से फूल तुमने देखे होंगे<br>क्या इन् फूलो के नाम बता सकते हो…<br><br>कुमुदिनी (lily)<br>गुलाब (rose)<br>सूरजमुखी (sunflower)<br>कमल(lotus)<br>चमेली (jasmine)<br>गुलबहार (daisy)<br>गेंदा (marigold)<br>डेहलिया (dahlia)<br>नलिनी (tulip)<br><br>क्या तुम उनके फायदे जानते हो ?<br><br>आओ पता करे.. | फूलो के चित्रो की slides<br> <br>(add picture of marigold, dahlia, tulip in the slide show) |

| | |
|---|---|
| यह कुछ फूल और उनके चित्र दिए गए है...इनका सही मिलान करो और जानो की ये सुन्दर फूल हमारे लिए कितने उपयोगी है | फूलों से मिलने वाले फायदों का सही मिलान कीजिए।<br>(1)फूलों के रस से (अ)दवाईयों, खाद्य पदार्थों में किया जाता है।<br>(2)गुलाब के फूल से (ब)केवड़ा बनता है।<br>(3)गेंदे के फूल से (स)6000 मिली ग्राम विटामिन सी मिलता है।<br>(4)गुडहलका फूल (ड)मच्छर भागते है।<br>(5)रात रानी के फूल (च)मधुमक्खी का भोजन है।<br>(6)100 ग्राम फूलों में (छ)रात में महकते है।<br>(7)फूलों का पराग (ज)स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा है।<br>(8)फूलों का उपयोग (झ)गुलकंद बनता है। |

**सही उत्तर है-**

(1) ब (2) झ (3) ड (4) ज (5) छ (6) स (7) च (8) अ

सही मिलान पर तालियों की आवाज़ आएगी

गलत मिलान पर दुबारा प्रयास करो की आवाज़ आएगी

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | IV |
| थीम | : | जानवर |
| शीर्षक | : | तितली उड़ |
| ऑडियंस | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| उद्देश्य | : | जानवरों के जीवन-चक्र का अवलोकन करना |
| सूचक शब्द | : | फुल, तितली, Caterpillar, प्यूपा, तितलीकाजीवन-चक्र |

| **ऑडियो** | **विडियो** |
|---|---|
| यह एक छोटा सा जानवर जो हमें कभी-न-कभी तो नज़र आ ही जाता है। आज हम इसके जीवन के बारे में जानेंगे। | Screen पर एक तितली की 30 सैकण्ड की Video आती है जिसमें वह फूलों के पास उड़ रही है और उसके साथ Audio सुनाया जाता है। |
| ये एक तितली का एक अण्डा। तितली अपना अण्डा किसी पौधे के पते या तनेपर देती है। | इस Video में तितली का एक अण्डा पत्ते के ऊपर दिखाया जाता है। |
| अण्डे से निकलता है एक Caterpillar (इल्ली) यह पेड़-पौधों की पत्तियाँ खाता है। खाता जाता है और इतना खाता है कि बन जाता है एक मोटा ताज़ा Caterpillar। यह जब अण्डे से बाहर आया था उससे बहुत बड़ा बन जाता है। | एक सप्ताह बाद → Video-2 के बाद यह slide आती है और फिर Video-3 दिखाया जाता है।<br>अण्डे Video में एक Caterpillar अण्डे से बाहर निकलता हुआ दिखाई देता है और पत्तियाँ खाता हुआ नज़र आता है। |
| ये Caterpillar जैसे-जैसे बड़ा होता जाता है वैसे-वैसे 4-5 बार अपनी त्वचा भी बदलता है। | Caterpillar अपनी screen बदलते हुए दिखाया जाता है। |

| | |
|---|---|
| अब यह Caterpillar प्यूपा की स्थिति में आता है यह कुछ सप्ताह तक इसी स्थिति में रहता है | Caterpillar प्यूपा की stage में दिखाया जाता है। |
| आखिर में आता है तितली के बाहर आने का समय। वह धीरे –धीरे प्यूपा से बाहर आती है और बन जाती है एक चंचल तितली। | कुछ सप्ताह बाद (slide)<br><br>तितली प्यूपा से निकलकर उड़ते हुए दिखाई देती है। |

**अब Screen पर सभी Stages की Images आती है।**

| | | | |
|---|---|---|---|
| तितली | अण्डा | प्यूपा | इल्ली(caterpillar) |

**Screen पर इस तरह की Time-Line आती है (यह Blank Time-Line है) इस पर Cursor से प्रत्येक अवस्था की फोटो Drag करके लगाते हैं।**

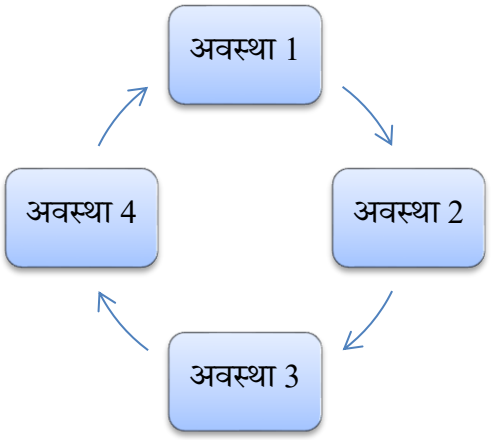


यदि वह सही अवस्था पर फोटो Drag and Drop करते हैं तो तालियों की आवाज़ आती है अन्यथा दोबारा प्रयास करें कि ध्वनि सुनाई देती है।

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | IV |
| थीम | : | पेड़ पौधे |
| शीर्षक | : | पौधों की जड़ |
| ऑडियंस | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| उद्देश्य | : | 1. पौधों की जड़ों का अवलोकन।<br>2. मूसलाधार जड़ों और झाड़ूदार जड़ों की पहचान |
| सूचक शब्द | : | जड़, मूसलाधार जड़, झाड़ूदार जड़ |

**Instruction for the Developer:**

| ऑडियो | विडियो |
|---|---|
| बच्चो यह तो तुम सब ही जानते हो की हमे फल व सब्ज़िया पेड़ पोधो से मिलती है /<br><br>पर क्या तुम बता सकते हो की पेड़ पोधो को उनका खाना कहाँ से मिलता है ? उन तक ज़रूरी चीज़े जैसे पानी, और अन्य ज़रूरी चीज़े कैसे पहुचती है ?<br><br>बिलकुल सही.. पेड़ो की जड़ो के द्वारा<br><br>पौधे का वह हिस्सा जो ज़मीन के अंदर छिपा हुआ होता है उसे जड़ कहा जाता है। जड़ें मिट्टी को बांधे रखती हैं और पौधे को ज़मीन पर मज़बूती से खड़ा रखती हैं। ये पौधे को बढ़ने के लिए जरूरी चीज़ों को ज़मीन से उन तक पहुंचाती हैं।<br><br>यह दो तरह की होती है-<br>मूसलाधार जड़,<br>झाड़ूदार जड़ | चित्र -पेड़<br><br>चित्र – जड़<br> |

**इन दोनों चित्रो को ध्यान से देखो और बताओ की इन दो तरह की जड़ो में क्या अंतर है?**

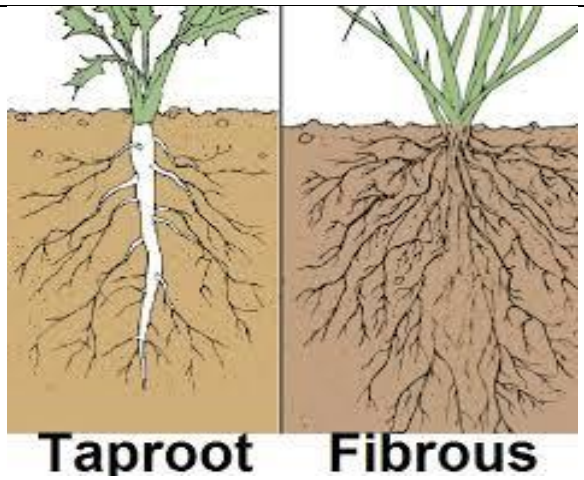


यह एक मोटी मुख्य जड़ होती हैं। इस जड़ से कई छोटी छोटी जड़ें निकलती हैं। फिर इन छोटी-छोटी जड़ों से महीन-महीन ढेरों जड़े निकलती हैं। इस प्रकार की जड़ को मूसलाधार जड़ कहते हैं।

**मूसलाधार जड़**

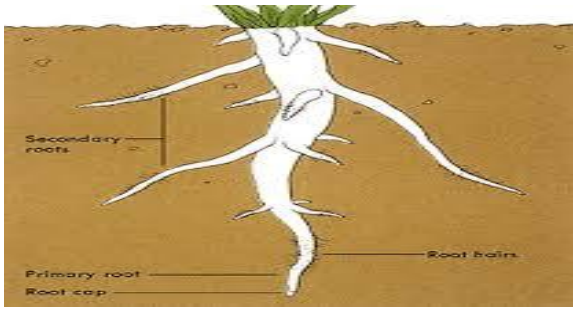


जैसे मुली, गाजर, आदि।

चित्र- मुली, गाजर

**झाड़ूदार जड़**

जब पौधे के ज़मीनी हिस्से से या किसी अन्य हिस्से से एक साथ एक जैसे आकार वाली जड़ें निकलती हैं, उन्हें झाड़ूदार जड़ कहा जाता है।

| | |
|---|---|
| जैसे गेहूं, चावल, मक्का, घास आदि की जड़ें<br><br>यहाँ मूसलाधार जड़ों और झाड़ूदार जड़ों वाले पौधों के चित्र जड़ों के साथ दिखाए गए हैं। तुम इन् जड़ो का वर्गीकरण करो<br><br>ज़रा बताओ ... | चित्र- गेहूं, चावल, मक्का, घास<br><br>**पौधों के चित्र जड़ों के साथ**<br>मूली गाजर शलगम पीपल<br>चना राज़मा तुलसी शकरकंदी<br><br>**मूसलाधार जड़ों वाले पौधे** \| **झाड़ूदार जड़ों वाले पौधे** |

- This will be a drag and drop activity. For correct answer green tick mark will blink and for incorrect response red cross mark will blink on screen.

Answers - **मूसलाधार जड़ों वाले पौधे :** मूली, गाजर , शलगम, शकरकंदी
**झाड़ूदार जड़ों वाले पौधे :**पीपल, चना, राज़मा , तुलसी

विषय : पर्यावरण अध्ययन
कक्षा : IV
थीम : जानवर
शीर्षक : कान-कान में
ऑडियंस: विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक
उद्देश्य : जानवरों के कानों का अवलोकन
सूचक शब्द : जानवरों के कान

**Instruction for developer :**

| ऑडियो | विडियो |
|---|---|
| बच्चो कानाफूसी का खेल तो तुमने खेला होगा...<br>बताओ तो इस खेल को कैसे खेलते है?<br>...हाँ...इस खेल में एक व्यक्ति लाइन से अगले व्यक्ति के कान में एक संदेश फुसफुसाता है जब तक आखिरी खिलाड़ी पूरे समूह को संदेश नहीं बता देता। | <br>**(This picture is only for reference. Similar image or video can be developed or video graphed )** |
| इस खेल में तुम शरीर के किस हिस्से का उपयोग कर रहे हो?<br><br>बिलकुल सही...कान का | चित्र-<br> |
| तुमने देखा होगा ज़रा सी आहत से कैसे कुत्ता, बिल्ली, खरगोश और बहुत से जानवर किस तरह एकदम से जान लेते है की कोई आस पास है।<br>अब तुम सब शांत हो जाओ और अगले एक मिनट तक अपने आस पास होने वाली सभी आवाज़ों को सुनो।<br><br>क्या क्या आवाज़ सुनी ?<br>(teacher will list the sounds on board heard | **चित्र**-कुत्ता, बिल्ली, खरगोश, चूहा |

| | |
|---|---|
| by students around them)<br><br>तो देखा तुमने कान की वजह से ही इंसान और जानवर अपने आस पास की सभी तरह की आवाज़ों को सुन पाते है।<br>सोचो अगर जीव जन्तुयो के कान ना हो तो सबको कितनी परेशानी होगी....ना कोई बात सुन पाएगा ना समझ पाएगा...।<br><br>पर यहाँ दिए गए कुछ जानवरो के कान खो गए है। तुम इनके सही कान को ढूंढकर शरीर तक पहुचाओ। सही जवाब पर तालियों की आवाज़ आएगी और गलत जवाब पर तुमको खेल दुबारा से शुरू करना होगा।<br><br>बच्चो, कोई भी बात सुनने के लिए कान बहुत ज़रूरी है...पर क्या हो अगर हमारे कान न हो... सोचो... | <table><tr><th>जानवरों के चित्र बिना कान के होगें</th><th>जानवरों केकानों के चित्र</th></tr><tr><td>1. हाथी<br>2. भैंस<br>3. बिल्ली<br>4. खरगोश<br>5. हिरन<br>6. सुअर<br>**7.** चूहा</td><td>बिल्लीकेकानों के चित्र<br>चूहा केकानों के चित्र<br>हाथीकेकानों के चित्र<br>सुअरकेकानों के चित्र<br>भैंसकेकानों के चित्र<br>खरगोशकेकानों के चित्र<br>हिरनकेकानों के चित्र</td></tr></table> |

- वह जानवर के कानों को Cursor से जानवरों के चित्र पर ले जाकर Drop करेंगे।
- For correct answer green tick mark will blink and for incorrect response red cross mark will blink on screen
- Correct answer- **1.** हाथी- हाथीकेकानों के चित्र**2**. भैंस- भैंसकेकानों के चित्र**3**. बिल्ली- बिल्लीकेकानों के चित्र**4**.खरगोश- खरगोशकेकानों के चित्र **5**. हिरन- हिरनकेकानों के चित्र**6**. सुअर- सुअरकेकानों के चित्र**7.** चूहा- चूहाकानों के चित्र
- Correct match of the animal's ear with its picture of animals without ears needs to be taken care of by the developer.

विषय : पर्यावरण अध्ययन
कक्षा : IV
थीम : जानवर
शीर्षक : कान-कान में (जानवरों के खाल)
ऑडियंस: विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक
उद्देश्य : जानवरों की खाल से उनकी पहचान करना
सूचक शब्द : जानवरों के खाल

**Instruction for Developer:**

| ऑडियो | विडियो |
|---|---|
| बच्चो क्या आप बता सकते है की जीव- जंतु (इंसान, जानवर) के शरीर का सबसे बड़ा अंग कौन सा है ?<br>सोचो सोचो....<br><br>त्वचा…<br><br>आपको यह जान कर हैरानी होगी की त्वचा शरीर का सबसे बड़ा और ज़रूरी अंग है । यह शरीर के हर एक हिस्से को ढक कर रखता है और सुरक्षित रखता है । त्वचा के बिना जीव- जंतु के शरीर की हड्डिया, मांसपेशिया, और अंग अपनी जगह पर नही रह सकते । यह इन् सभी को एक साथ रखने में मदद करता है। साथ ही यह शरीर के तापमान को सही बनाये रखता है ।<br><br>है ना त्वचा कितने काम की...<br>तो बताओ की त्वचा हमारे लिए, जीव जन्तुओ के लिए | **जानवरो के चित्र**– हाथी, हिरन, शेर, बाग़, कुत्ता, खरगोश<br>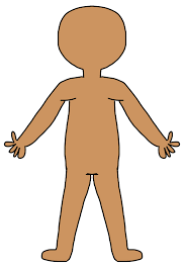<br>**छोटे बचे का चित्र**<br><br>त्वचा<br><br>**चित्र-** हड्डिया, मांसपेशिया, और अंग<br><br>**चित्र-**शरीर के तापमान |

| | |
|---|---|
| क्यों ज़रूरी है?<br><br>हमारे शरीर की रक्षा करता है।<br>सिर्फ सही तापमान पर हमारे शरीर रखने में मदद करता।<br>हमें स्पर्श का पता लग पता है।<br><br>पर क्या हो अगर शरीर पर त्वचा ना हो तो ...<br>सोचो...<br><br>बिलकुल सही ...(next screen)<br>पर यहाँ इन् जानवरो की त्वचा गायब हो गई है। इन जानवरो को ऐसी कोई परेशानी ना हो इसके लिए खालपहचान कर सही जानवर पर लगाओ। | (Slides)<br>हमारे शरीर की रक्षा करता है।<br>सिर्फ सही तापमान पर हमारे शरीर रखने में मदद करता।<br>हमें स्पर्श का पता लग पता है।<br><br>(Following point will appear on screen as a hint for students)<br>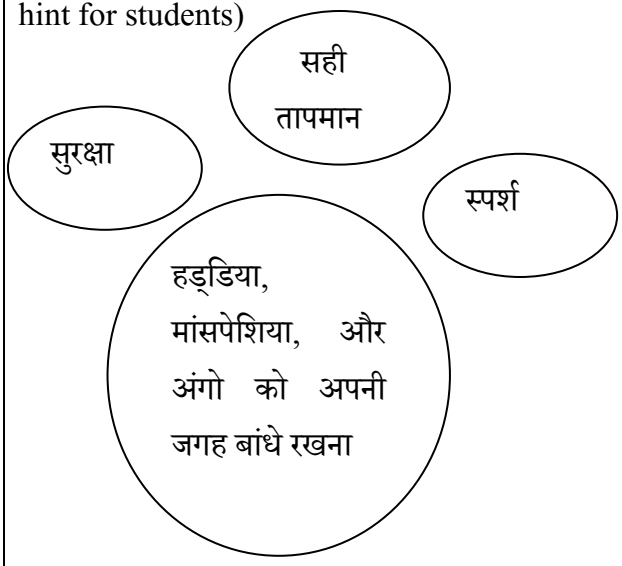<br> |
| | **जानवर** (Outline Figures of following animals)<br>बाघ<br>जिराफ<br>ज़ेब्रा<br>गिलहरी<br>साँप<br>मगरमच्छ<br>तेंदुआ<br><br>**जानवरों के खालों के चित्र**<br>तेंदुआ की खाल<br>गिलहरी की खाल<br>मगरमच्छर की खाल<br>ज़ेब्रा की खाल<br>बाघ की खाल<br>जिराफ की खाल<br>साँप की खाल |
| | |

- बच्चे खाल के चित्र को उस जानवर के चित्र पर Drag और Drop करते हैं। यदि वह सही होता है तो जानवर की outline figure में खाल का pattern बन जाता है और ग़लत है तो "दोबारा प्रयास करें" की आवाज़ आती है।

- Correct match of the animal's skin with its outlined image needs to be taken care of by the developer.

विषय : पर्यावरण अध्ययन
कक्षा : IV
थीम : जानवर
शीर्षक : कान-कान में (जानवरो की विशेषता)
ऑडियंस: विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक
उद्देश्य : विभिन्न जानवरों के बारे में विशेष जानकारी पता करना
सूचक शब्द : हिरन,मोर , मछली,चींटी , कौआ , भैंस

**Instruction for the developer:**

| ऑडियो | विडियो |
|---|---|
| बच्चो पिछली गतिविधियों द्वारा तुमने जानवरो के बारे में बहुत कुछ जाना, पर क्या तुम जानते हो की ... | |
| * डॉलफिन मछली हमेशा अपनी एक आँख बंद कर सोती है। | |
| * आपको यह जानकार हैरानी होगी के कुत्ते इंसानों से ज्यादा साफ़ और दूर तक देख सकते हैं लेकिन कुत्तों को वस्तुएं सिर्फ एक ही रंग में दिखाई देती हैं रंगों को पछानना उनके लिए मुश्किल होता है। | |
| * बाघों के ना केवल फरो पर धारिया होती है बल्कि चमड़ी पर भी धारिया होती है और किन्ही भी दो बाघों की धारिया एक समान नही होती है इसी कारण की वजह से उन्हें पहचाना जाता है \| | |

| | |
|---|---|
| * ऊंट एक ही समय में 100 लीटर पानी पी सकते हैं। | |
| *शुतुरमुर्ग के अंडे का वजन दो से तीन किलो ग्राम तक होता है। | |
| | |
| * हाथी एक ऐसा जानवर है यो कभी कूद नहीं सकता। | |
| * बिल्लियाँ को पास 1000 से भी ज्यादा आवाज निकालने की क्षमता होती है जबकि कुत्ते 10 तरह की अलग अलग आवाजे निकाल सकते है \| | |
| * नीली व्हेल का वज़न हाथी के वज़न का तीस गुना होता है / | |

* एक मगरमच्छ अपनी जीभ को बाहर नहीं निकाल सकता।

* चीटियां हमेशा एक लाइन में चलती है, ऐसा इसलिए क्योंकी हर चींटी एक तरल पदार्थ छोड़ती है जिससे पीछे वाली चींटी उसके पीछे चलती रहती है

चलो अब एक छोटी सी गतिविधि करते है..

नीचे कुछ जानवरो के चित्र दिए गए है/ इनकी विशेषतायो को सोचो और वर्गीकरण करो

**(जानवरों की फोटो के नीचे दो बॉक्स या मैदान बने होंगे जिनके ऊपर लिखा होगा बच्चा फोटो को Drag and Drop से सही बॉक्स में लाता है।)**

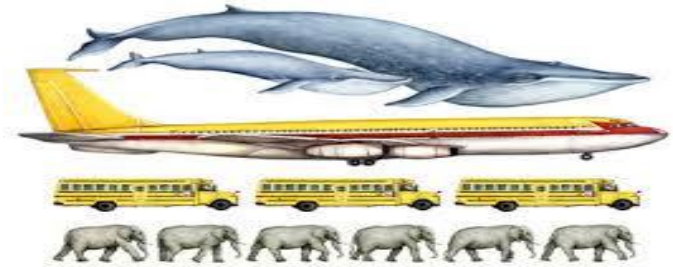

**(जानवरों की Images (Actual Photographs) दी गई है)**

हिरन मोर मछली चींटी कौआ भैंस बिल्ली चीता चिड़िया सूअर गाय चूहा छिपकली साँप हाथी लोमड़ी तेंदुआ

**चित्र**

| **जानवर जिनके कान बाहर दिखाई देते हैं और उनकी खाल पर बाल है।** | **जानवर जिनके कान बाहर दिखाई नहीं देते है और जिनकी खाल पर बाल नहीं है।** |
|---|---|

- यदि सही फोटो Drag and Drop करते हैं तो तालियों की आवाज़ आती है अन्यथा दोबारा प्रयास करें कि ध्वनि सुनाई देती है।
- Correct answer-

| **जानवर जिनके कान बाहर दिखाई देते है उनकी खाल पर बाल है।** | **जानवर जिनके कान बाहर दिखाई और और जिनकी खाल पर बाल नहीं है।** |
| --- | --- |
| हिरन | मछली |
| भैंस | चींटी |
| बिल्ली | साँप |
| सूअर | |
| चीता | |
| गाय | |
| चूहा | |
| तेंदुआ | |
| हाथी | |
| लोमड़ी | |

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | IV |
| थीम | : | सम्बन्ध |
| शीर्षक | : | भार को नापना |
| ऑडियंस | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| उद्देश्य | : | भार नापने के बारे में परिचित कराना |
| सूचक शब्द | : | भार, क्विंटल, किलोग्राम, ग्राम |

**Instruction for the developer:**

| **ऑडियो** | **वीडियो** |
|---|---|
| हम हर रोज़ कितनी चीज़ों का इस्तमाल करते है- कुछ भारी , कुछ हलकी/<br>तुमने ध्यान दिया होगा की हम जो भी चीज़ खरीदते है, तो दो बाते हमेशा लिखी होती है –<br>वस्तु कितने की है (मूल्य क्या है )<br>वस्तु का भार क्या है<br><br>दिए गए चित्रों को देखो। इनके साथ ही उनका भार की इकाई भी दी गयी है। इन सामग्रियों को इनके भार के साथ मिलाएँ। | Image of packet of wafer, one liter water bottle, one sag of rice highlighting the weight and price.<br><br>चित्रभार<br>1) मिर्च का पैकेट (अ) क्विंटल<br>(2) गेहूं की बोरी (ब) किलोग्राम<br>(3) रेत की बोरी (स) मिलीग्राम<br>(4) रात रानी का फूल (ध) मीट्रिक |

स्क्रीन पर एक तरफ विभिन्न सामग्रियों के चित्र दिए जाएंगे और दूसरी तरफ इकाई लिखी जाएंगी । विद्यार्थियों को सामग्रियों का मिलान सही इकाई से करना होगा । सही उत्तर होने पर हरी बत्ती होगी। ग़लत उत्तर होने पर 'लाल बत्ती' होगी और एक आवाज़ सुनाई देगी - 'एक बार फिर'

सही उत्तर है- 1. द 2. अ 3. ब 4.

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | IV |
| थीम | : | संबंध |
| शीर्षक | : | परछाई |
| ऑडियंस | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| उद्देश्य | : | चित्रों द्वारा परछाई का अनुमान लगाना |
| सूचक शब्द | : | परछाई, अनुमान |
| स्त्रोत | : | https://www.youtube.com/watch?v=WVuV_xVDJDY |

**(similar kind of video can be developed)**

**Instruction for developer-**

- सबसे पहले Screen पर 2 मिनट का shadow dance का Video आता है।

| ऑडियो | विडियो |
|---|---|

| | |
|---|---|
| तो कैसा लगा तुमको ये परछाई का खेल…<br>मज़ा आया ना... | https://www.youtube.com/watch?v=WVuV_xVDJDY |
| तुम भी ये खेल ज़रूर खेलते होंगे और परछाई से अलग अलग आकर बनाते होंगे | (Video के बाद कुछ चित्र और उनकी परछाई आएगी )<br>1.<br>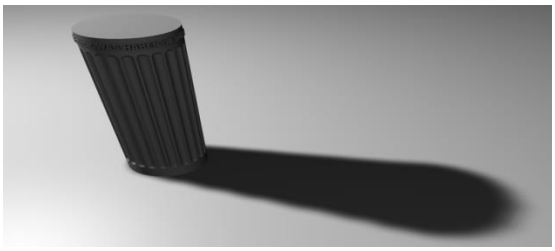<br>2.<br>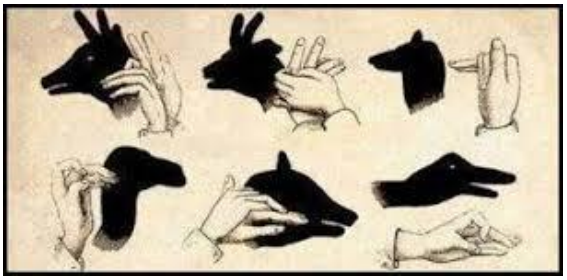<br>3.<br>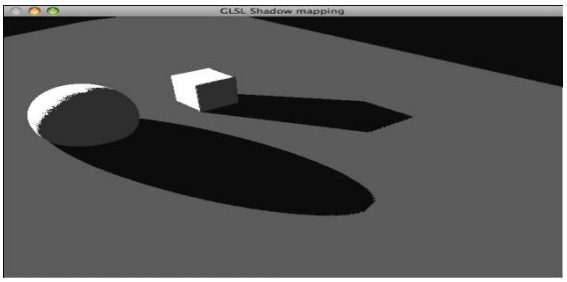 |
| चलो अब देखते की क्या तुम इन् परछाईयो को पहचान पाते हो | चित्र<br>पेड़<br>कुतुबमीनार की परछाई |

| | | |
|---|---|---|
| | कुतुबमीनार | पेड़ की परछाई |
| | 3-Dबॉक्स | बादल की परछाई मैदानों में |
| | इमारतें | उड़ते पक्षी की परछाई पानी में |
| | बादल | हाथी की परछाई ज़मीन पर |
| | पक्षीउड़ते हुए | डब्बे की परछाई |
| | हाथी | इमारत की परछाई |

- परछाईयों को पहचानकर उन्हें मिलाते हैं सही मिलान करने पर तालियों की आवाज़ आती है अन्यथा दोबारा प्रयास करें कि ध्वनि सुनाई देती है।
- Correct match of the image with its shadow needs to be taken care of by the developer.
- Image no. 1, 2, 3 is only for reference purpose. Developer needs to take similar images from the free source.

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | IV |
| थीम | : | जानवर |
| शीर्षक | : | अनीता की मधुमक्खियां |
| ऑडियंस | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| उद्देश्य | : | मधुमक्खियों के बारे में जानना |
| सूचक शब्द | : | शहद, मधुमक्खियाँ |
| स्रोत | : | CIET, Progamme on Honeybees |

**Instructions for the developer:**

CIET video on Honey bee will be played first thereafter facts on honeybees will appear on screen one by one.

| ऑडियो | विडियो |
|---|---|
| चित्र में तुम क्या देख पा रहे हो? इसमें कौन रहता है? | चित्र 1 - मधुमक्खी का छत्ता |
| जैसे तुम अपने मित्रों से बात करते हो, क्या मधुमक्खियाँ भी करती होंगी?<br>शहद की मक्खियां अपने नृत्य के द्वारा ही परस्पर बातचीत करती हैं। | चित्र 2 - मधुमक्खी नृत्य करती हुई। |
| शहद की मक्खियों के पंख बहुत तेज़ गति से फड़फड़ाते हैं। यानी सैकंड में लगभग 200 बार। | चित्र 3 - तेज़ी से पंख फड़फड़ाते हुए<br>sound करते हुए मधुमक्खियाँ |
| एक श्रमिक मधुमक्खी अपने जीवन में लगभग 1/12 वां चाय की चम्मच जितना शहद बनाती हैं। | चित्र 4 - एक मधुमक्खी अपने पूरे जीवन काल में केवल 1/12 चाय के चम्मच जितना शहद ही बना पाती है। |
| मधुमक्खी के छत्ते में तीन तरह की मधुमक्खियां होती हैं। | चित्र 5 - तीन तरह की मधुमक्खियाँ |
| रानी मधुमक्खी का मुख्य काम है - अधिक से अधिक अंडों से मधुमक्खियों को बढ़ाना। | चित्र 6- रानी मक्खी: अंडे देना |

| | |
|---|---|
| नर मधुमक्खी शहद इकट्ठा नहीं करते। श्रमिक मधुमक्खियां आकार में छोटी होती हैं और छत्ते में सबसे अधिक शहद इकट्ठा करती हैं। अंडों और की देखरेख करती हैं। | चित्र 7 - नर मक्खी<br>चित्र 8- श्रमिक मक्खी: अंडों और का ध्यान रखने से लेकर शहद बनाने तक सारा कार्य करती हैं। |
| यह कौन सी मधुमक्खी है?<br>यह किस मधुमक्खी का चित्र है और यह क्या करती है? चर्चा करो।<br>मधुमक्खियाँ बातचीत किस तरह से करती हैं? | चित्र - रानी मक्खी<br>चित्र - श्रमिक मक्खी<br>चित्र - नृत्य करती हुई मधुमक्खियाँ |

***Extended Learning :***

***मधुमक्खियों के बारे में, उनके जीवन चक्र और मधुमक्खी पालन के बारे में और जानकारी इक्कट्ठा करो***

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | IV |
| थीम | : | जानवर |
| शीर्षक | : | अनीता की मधुमक्खियां- शहद की कहानी |
| ऑडियंस | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| उद्देश्य | : | विद्यार्थी शहद के स्त्रोतों को जान सकें |
| सूचक शब्द | : | शहद, मधुमक्खियाँ |

**Instructions for the developer:**

विडियो कार्यक्रम के बाद अनेक फूलों, वृक्षों के दृश्य  आएंगे।

- लीची के फूल (मंजरियां)
- कमल के फूल
- आम की मंजरियां
- सरसों के खेत
- फूलों के बगीचे
- सब्जियों के खेत
- अनाज के खेत
- नारियल के पेड़

सही उत्तर पर क्लिक करने से हरी बत्ती आएगी, ग़लत उत्तर पर लाल।

- सही उत्तर-  लीची के फूल (मंजरियां), कमल के फूल सरसों के खेत, फूलों के बगीचे

**Instruction for the user**

मधुमक्खियां किन फूलों से रस लेती हैं। **सही उत्तर पर क्लिक करें।**

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | IV |
| थीम | : | जानवर |
| शीर्षक | : | अनीता की मधुमक्खियां (व्यवसाय) |
| ऑडियंस | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| उद्देश्य | : | विद्यार्थी, जानवरों से संबंधित व्यवसायों के बोर में जान सकें |
| सूचक शब्द | : | शहद, मधुमक्खियाँ |

**Instructions for the developer:**

स्क्रीन पर नीचे  दिए गए व्यवसायों के चित्र आएगे

शिक्षार्थी जब कर्सर इन व्यवसायों पर ले जाएंगे तब इन्हें शब्दों में बोला जाएगा और स्क्रीन पर उनके पूरे  (बड़े) दृश्य भी आएंगे।

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| कपड़ों की बुनाई | मछली पालन | मधुमक्खी पालन | बैंकिंग | पशुपालन |
| शिल्पकारी | मुर्गी पालन | डेयरी फार्मिंग | डॉक्टरी | |

सही उत्तर पर क्लिक करने से हरी बत्ती आएगी, ग़लत उत्तर पर लाल।

सही उत्तर - मछली पालन , मधुमक्खी पालन, पशुपालन, मुर्गी पालन, डेयरी फार्मिंग

**Instructions for the User:**

**ऐसे कौन-कौन से व्यवसाय हैं, जो जानवरों से जुड़ें हैं ? सही उत्तर पर क्लिक करें।**

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | पाँच |
| थीम | : | जानवर |
| शीर्षक | : | साँप - किसान के मित्र |
| ऑडियंस | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| उद्देश्य | : | 1. किसानों के लिए साँपों की उपयोगिता की जानकारी देना।<br>2. फसलों के मित्र व शत्रु जानवरों की पहचान करना। |
| सूचक शब्द | : | साँप, फसलों के मित्र |

Instruction for developers:

| Audio | Video |
|---|---|
| हल्का सा संगीत (कोई भी ) | विभिन्न प्रकार के साँपों का दृश्य<br>किसान खेत में काम कर रहे हैं और पौधे उगे हुए हैं।<br>खेत में साँप |
| साँप- साँप- साँप पकड़ो भई।<br>अरे बचो !<br>मार दो, मार दो, काट लेगा।<br>हम साँप बिल्कुल नहीं आने देंगे। काट लिया तो जान का खतरा। | किसान डर कर भाग रहे हैं। |
| (चिड़ियों की आवाज़ें, जानवरों की आवाज़ें) | दो आदमी डंडे लेकर दौड़ रहे हैं। ज़मीन पर डंडे मार रहे हैं।<br>चूहे, खरगोश खेत में दौड़ रहे हैं, सुरंग खोद रहे हैं। |
| ये क्या हो गया भाई ? फसल तो अच्छी हो रही थी। सड़ने कैसे लगी। | पौधे पीले पड़ेहुए और मुरझाए हुए।<br>तीन किसान उदास हैं और खेत पर बैठे बात करते हुए। |
| ये अच्छी खासी फसल को क्या हो गया ? | एक बूढ़ा किसान आते हुए और फसल को देखकर उनसे पूछते हुए। |
| बाबा, साँप बहुत हो गए थे। हमने मार दिए। उनका ही श्राप लग गया। | एक किसान बताते हुए<br>बाकी लोग सुन रहे हैं। |
| अरे भई , श्राप नहीं लगा गया। साँप तो हम किसानों के मित्र हैं।हमारी फसल के चौकीदार। | बूढ़ा किसान समझाते हुए |

| | |
|---|---|
| वो कैसे ?<br><br>चूहे और खरगोश, चिड़ियाँ ये हमारी फसल को बर्बाद करते हैं। जमीन खोद-खोद कर सुरंग बना लेते हैं और जड़ें खोद देते हैं । दाना आते ही चिड़ियाँ आ जाती हैं। ये साँप ही तों हैं हमारे साथी, इन्हें मार कर खा जाते हैं । और हमारी फसल को बर्बाद होने से बचा लेते हैं । अब मित्रों से बैर करोगें तो भई फसल कैसे पाओंगे?<br>हैं न साँप हमारे मित्र !<br><br>अभी आपने यह ऑडियो कार्यक्रम देखा क्या आप बता सकते हैं कि साँप के और दूसरे उपयोग क्या हैं ?<br><br>फसल के शत्रु जानवर और मित्र जानवर को सही कॉलम में पहुँचाना है। यदि कॉलम गलत हुआ तो जानवर भाग जाएगा । जानवर के सही कॉलम में आते ही हरी बत्ती होगी । | एक किसान पूछते हुए<br><br>बूढ़ा किसान उसके कंधे पर हाथ रख कर बोलते हुए । दोनों किसान ध्यान से सुनते हुए ।<br>साँप चूहे के पीछे भागते हुए।<br><br>साँप, टिड्डे, केंचुए चिड़ियाँ बैल चूहे खरगोश<br><br>**शत्रु** **मित्र** |

**Instruction for the developer**

इस चित्र में खतों में कुछ जानवर बने हुए हैं । इनमें से कौन-कौन से जानवर फसल के शत्रु हैं और कौन से मित्र इन्हें तालिका में इनके सही कॉलम में पहुँचाना होगा । गलत कॉलम में जाने पर जानवर वहाँ से भाग जाएगा और केप्शन लिखा आएगा-'एक बार और' जानवर के सही कॉलम में पहुँचते ही हरी बत्ती आएगी ।

**सही उत्तर**

मित्र – साँप, केंचुए, बैल,

शत्रु – चूहे, टिड्डे, चिड़िया

विषय : पर्यावरण अध्ययन
कक्षा : पाँच
थीम : जानवर
शीर्षक : बाघ, हमारा राष्ट्रीय पशु
ऑडियंस : विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक
उद्देश्य : विद्यार्थियों को प्रोजेक्ट टाइगर के बारे में बताना
विद्यार्थियों को बाघों की घटती हुई संख्या के प्रति जागरूक करना
सूचक शब्द : टाइगर, बाघ, राष्ट्रीय पशु,
स्त्रोत : Map showing site of Tiger Researcher (National Tiger Conservation authority

(सफेद बाघ का चित्र बाघ) , कक्षा – 5 NCERT EVS Book Page 92 चित्र 90

Instruction for developers:
अभी आप हमारे राष्ट्रीय पशु बाघ पर एक वीडियो कार्यक्रम देखेगें -'बाघ हमारा राष्ट्रीय पशु है'।

| **ऑडियो** | **वीडियो** |
|---|---|
| तुमने शायद इसे चित्रों, फिल्मों या चिड़ियाघर में देखा हो।<br><br>परंतु हमारे देश में यह अलग-अलग जगहों पर, जंगलों में कुछ कम ही संख्या में पाया जाता है। आओ, देखें कहाँ-कहाँ। | (बाघ का चित्र पूरे स्क्रीन पर)<br><br>(चिड़ियाघर में बाघ)<br><br>Map showing site of Tiger Researcher (National Tiger Conservation authority) |
| इसमें से सुंदरवन के जंगलों में मिलता है यह ... सफेद बाघ।<br><br>1. लेकिन धीरे-धीरे शिकारियों ने अपने फायदे के लिए इन्हें मारना शुरू कर दिया।<br>2. खेती और निर्माण कार्यों के लिए जंगल काटे गए और इनकी संख्या कम होती गई और जानते हो ये कितने रह गए थे? केवल 1411. | (सफेद बाघ का चित्र बाघ)<br><br>(पुस्तकों से परे हमारा पर्यावरण) Page 92 चित्र 1. 90<br><br>(Poster regarding Project only 1411 left Tiger)<br><br>(We can make a difference ) |

इससे हमारे पर्यावरण को नुकसान पहुँचने लगा और इन्हें बचाने के लिए हमारी सरकार ने 1973 में 'Project Tiger' की शुरूआत की।

Indian Board for wild life की स्थापना की। जिन्होंने कुछ कदम उठाए -

1. लोगों में बहुत बड़े स्तर पर जागरूकता फैलाना।
2. वन्य प्राणियों और वनों को राष्ट्रीय स्तर पर प्राथमिकता देना।
3. वन्य प्राणियों और वनों को नुकसान पहुँचाने वाले लोगों को कानूनी तौर पर सज़ा दिया जा

इन प्रयासों के कारण ही आज भारत में बाघों की कुल संख्या में सुधार आ रहा है।

ज़रा बताओ तो -

1. 2006 से 2010 तक बाघों की कुल संख्या कितनी बढ़ी?
2. किस क्षेत्र में सबसे अधिक बढ़ोतरी हुई?

SAVE US (Tiger holding the banner)

1. लोगों में बहुत बड़े स्तर पर जागरूकता फैलाना।
2. वन्य प्राणियों और वनों को राष्ट्रीय स्तर पर प्राथमिकता देना।
3. वन्य प्राणियों और वनों को नुकसान पहुँचाने वाले लोगों को कानूनी तौर पर सज़ा दिया जाना।

Population estimates of tigers.
(2006-2010)

| 297 353 | 601 601 | 412 534 | 148 | 70 |
|---|---|---|---|---|
| शिवालिक गंगा का मैदानी क्षेत्र | मध्य भारत तथा पूर्वी घाट | पश्चिमी घाट | उत्तरपूर्वी पहाड़ी क्षेत्र तथा ब्रह्मपुत्र का मैदान | सुंदरवन |
| | | | 1411 | 1700 |
| | | | | **कुल** |

| | |
|---|---|
| लगा कुछ अंतर? प्रयास ज़ारी हैं और अंतर आ भी रहा है। लेकिन सफ़र लंबा है।<br><br>यहाँ कुछ जगहों के नाम दिए गए हैं। इनमें से कहाँ पर जंगलों में बाघ पाए जाते हैं और कहाँ नहीं यह जानने के लिए बाघ को जगह तक ले जाएँ (यदि वह वहाँ पाए जाते हैं तो रूक जाएगा नहीं तो वह वापिस आ जाएगा।) | **20 जनवरी, 2015**<br><br>**कुल संख्या - 2226**<br><br>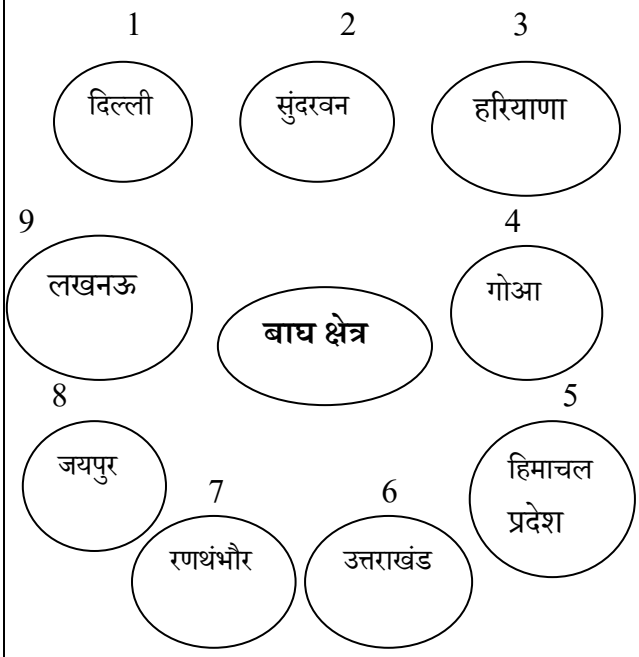<br><br>(1, 3, 4, 5, 8, 9, 10) नहीं जाएगा। |

Instruction for developers:

बाघ क्षेत्र को क्लिक करते ही वह बाघ क्षेत्र तक जाएगा और सही होगा तो वहाँ रूक जाएगा नहीं तो वापस अपनी जगह आ जाएगा।

सही उत्तर - 1, 3, 4, 5, 8, 9 पर नहीं जाएगा

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | पाँच |
| थीम | : | जानवर |
| शीर्षक | : | साँप - किसान के मित्र |
| ऑडियंस | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| उद्देश्य | : | 1. किसानों के लिए साँपों की उपयोगिता की जानकारी देना।<br>2. फसलों के मित्र व शत्रु जानवरों की पहचान करना। |
| सूचक शब्द | : | साँप, फसलों के मित्र |

Instruction for developers:

| Audio | Video |
|---|---|
| हल्का सा संगीत (कोई भी ) | विभिन्न प्रकार के साँपों का दृश्य<br>किसान खेत में काम कर रहे हैं और पौधे उगे हुए हैं।<br>खेत में साँप |
| साँप- साँप- साँप पकड़ो भई।<br>अरे बचो !<br>मार दो, मार दो, काट लेगा।<br>हम साँप बिल्कुल नहीं आने देंगे। काट लिया तो जान का खतरा। | किसान डर कर भाग रहे हैं। |
| (चिड़ियों की आवाज़ें, जानवरों की आवाज़ें) | दो आदमी डंडे लेकर दौड़ रहे हैं। ज़मीन पर डंडे मार रहे हैं।<br>चूहे, खरगोश खेत में दौड़ रहे हैं, सुरंग खोद रहे हैं। |
| ये क्या हो गया भाई ? फसल तो अच्छी हो रही थी। सड़ने कैसे लगी। | पौधे पीले पड़ेहुए और मुरझाए हुए।<br>तीन किसान उदास हैं और खेत पर बैठे बात करते हुए। |
| ये अच्छी खासी फसल को क्या हो गया ? | एक बूढ़ा किसान आते हुए और फसल को देखकर उनसे पूछते हुए। |
| बाबा, साँप बहुत हो गए थे। हमने मार दिए। उनका ही श्राप लग गया। | एक किसान बताते हुए<br>बाकी लोग सुन रहे हैं। |
| अरे भई , श्राप नहीं लगा गया। साँप तो हम किसानों के मित्र हैं।हमारी फसल के चौकीदार। | बूढ़ा किसान समझाते हुए |

| | |
|---|---|
| वो कैसे ?<br><br>चूहे और खरगोश, चिड़ियाँ ये हमारी फसल को बर्बाद करते हैं। जमीन खोद-खोद कर सुरंग बना लेते हैं और जड़ें खोद देते हैं । दाना आते ही चिड़ियाँ आ जाती हैं। ये साँप ही तों हैं हमारे साथी, इन्हें मार कर खा जाते हैं । और हमारी फसल को बर्बाद होने से बचा लेते हैं । अब मित्रों से बैर करोगें तो भई फसल कैसे पाओंगे?<br>हैं न साँप हमारे मित्र !<br><br>अभी आपने यह ऑडियो कार्यक्रम देखा क्या आप बता सकते हैं कि साँप के और दूसरे उपयोग क्या हैं ?<br><br>फसल के शत्रु जानवर और मित्र जानवर को सही कॉलम में पहुँचाना है। यदि कॉलम गलत हुआ तो जानवर भाग जाएगा । जानवर के सही कॉलम में आते ही हरी बत्ती होगी । | एक किसान पूछते हुए<br><br>बूढ़ा किसान उसके कंधे पर हाथ रख कर बोलते हुए । दोनों किसान ध्यान से सुनते हुए ।<br>साँप चूहे के पीछे भागते हुए।<br><br>साँप, टिड्डे, केंचुए चिड़ियाँ बैल चूहे खरगोश<br><br>**शत्रु** **मित्र** |

**Instruction for the developer**

इस चित्र में खतों में कुछ जानवर बने हुए हैं । इनमें से कौन-कौन से जानवर फसल के शत्रु हैं और कौन से मित्र इन्हें तालिका में इनके सही कॉलम में पहुँचाना होगा । गलत कॉलम में जाने पर जानवर वहाँ से भाग जाएगा और केप्शन लिखा आएगा-'एक बार और' जानवर के सही कॉलम में पहुँचते ही हरी बत्ती आएगी ।

**सही उत्तर**

मित्र – साँप, केंचुए, बैल,

शत्रु – चूहे, टिड्डे, चिड़िया

विषय : पर्यावरण अध्ययन
कक्षा : पाँच
थीम : जानवर
शीर्षक : नेशनल पार्क
ऑडियंस : विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक
उद्देश्य : 'नेशनल पार्क'के विषय में जानकारी प्राप्त करना। ये dgkj&dgkj पर हैं और क्यों बनाए गए हैं इस विषय पर जानकारी प्राप्त करना।
सूचक शब्द : नेशलन पार्क

| **Audio** | **Visual** |
|---|---|
| 'नेशनल पार्क' क्या होते हैं ? क्या ज़रूरत है इनकी? कौन करता है इनकी देखभाल? | चित्र<br>नेशनल पार्क का चित्र |
| ये जो तुम देख रहे हो न, यही है भारत का सबसे पहला नेशनल पार्क। लेकिन, पहले इसे 'हैले नेशनल पार्क' के नाम से जानते थे। लेकिन, अब यह 'जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क कहलाता है'। जानते हो dgkj है ये? ये है उत्तराखंड में। | (भारत का नक्शा और उसमें उत्तराखंड) |
| केवल यही नहीं, और भी बहुत से नेशनल पार्क हैं हमारे देश में। ये सभी अलग-अलग जगहों पर हैं।<br><br>पर ये नेशनल पार्क हैं क्या ?<br>1. ऐसे वन जो प्राकृतिक रूप से वन्य प्राणियों व पेड़-पौधों की सुरक्षा करते हैं।<br>2. यहाँ जानवरों को शिकार व उन्हें पकड़ना मना है।<br>3. उनके आवास को नष्ट नहीं किया जा सकता। | केरल का पेरियार<br>प. बंगाल का सुंदरवन<br>मध्य प्रदेश का कान्हावन<br>गुजरात का गिर<br>असम का काजीरंगा<br>राजस्थान का रणभम्यौर<br>उत्तराखंड का जिम कारबेट<br><br>1. ऐसे वन जो प्राकृतिक रूप से वन्य प्राणियों व पेड़-पौधों की सुरक्षा करते हैं।<br>2. यहाँ जानवरों को शिकार व उन्हें पकड़ना मना है।<br>3. उनके आवास को नष्ट नहीं किया जा |

| | |
|---|---|
| 4. ;gkj हथियार लेकर प्रवेश करना वर्जित है।<br>5. जानवरों को चराने के लिए ;gkj ले जाना भी मना है। | सकता।<br>4. ;gkj हथियार लेकर प्रवेश करना वर्जित है।<br>5. जानवरों को चराने के लिए ;gkj ले जाना भी मना है। |
| आसाम में काजीरंगा नेशनल पार्क<br>यहाँ गैंडा, हाथी और बाघ पाए जाते हैं। | Map of India – showing Kaziranga and Assam |
| गुजरात के गिर नेशनल पार्क में शेर पाए जाते हैं। | Showing Gir National Park in Gujarat. |
| केरल का पेरियार नेशनल पार्क नीलगिरि लंगूर और उड़ने वाली गिलहरियों को संरक्षण देता है। | Showing Periyar National Park in Kerala. |
| .मध्य प्रदेश में कान्हा नेशनल पार्क। ;gkj बाघ, हाथी और तेंदुए हैं। | Showing Kanha National Park in M.P |
| और बाघ और तेंदुओं के लिए मशहूर है राजस्थान का रणथम्भौर नेशनल पार्क। | Showing Ranthambore National Park in Rajasthan. |
| बंगाल के सुंदरबन में सफेद बाघ मिलते हैं। | Showing Sunderbans in West Bengal |
| उत्तराखंड का ये जिम कॉर्बट नेशनल पार्क बाघ, तेंदुओं और हाथियों को बचाकर रखे हुए है। | Showing Corbett National Park in Uttarakhand |
| देखा तुमने , कहाँ - कहाँ पर कौन – कौन से जानवरों को ये नेशनल पार्क सहेजकर रखते है।<br>आओ, खेलें एक खेल। यहाँ नेशनल पार्कों के नाम दिए गए हैं। उन्हें नक्शे में उनके सही स्थान तक पहुँचाएं। यदि स्थान सही होगा तो हरी बत्ती जल उठेगी। और गलत होगा तो लाल बत्ती जल उठेगी । फिर एक केप्शन आएगा - 'दोबारा अवसर मिलेगा'। | Map of India showing picture of animals being found in different National Park.<br>भारत का नक्शा<br>काजीरंगा नेशनल पार्क, गिर नेशनल पार्क, पेरियार नेशनल पार्क, कान्हा नेशनल पार्क, रणथम्भौर, जिम कॉर्बट, सुंदरबन नेशनल पार्क। |

Instruction for developers:
नेशनल पार्कों के नाम क्लिक करने पर नक्शे में उस जगह पर पहुँचेगें जहाँ-जहाँ वे बनाए गए हैं। उत्तर सही होने पर हरी बत्ती और गलत होने पर लाल बत्ती जलेगी।

सही उत्तर

1. काजीरंगा नेशनल पार्क - असम

2. गिर नेशनल पार्क – गुजरात
3. पेरियार नेशनल पार्क – केरला
4. कान्हा नेशनल पार्क – मध्य प्रदेश
5. रणथम्भौर – राजस्थान
6. जिम कॉर्बट – उत्तराखंड
7. सुंदरबन नेशनल पार्क – पश्चिम बंगाल

विषय : पर्यावरण अध्ययन
कक्षा : पाँच
थीम : संबंध
शीर्षक : जन्म प्रमाण पत्र
ऑडियंस : विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक
उद्देश्य : अपने से संबंधित सरकारी महत्वपूर्ण दस्तावेज़ पढ़ना।
सूचक शब्द : जन्म प्रमाण पत्र, सरकारी दस्तावेज़
स्त्रोत : ncert book.Pustako se pare humara paryavaran, (जन्म प्रमाण पत्र (पृष्ठ -19) पुस्तकों से परे हमारा पर्यावरण, Link - http://www.ncert.nic.in/departments/nie/dee/publication/pdf/Pustakon_se_pare_hamara%20_paryavaran.pdf

Instruction for developers:

| **ऑडयो** | **वीडियो** |
|---|---|
| यह एक जन्म प्रमाण पत्र है। जन्म लेने वाले सभी नवजात शिशुओं का जन्म प्रमाण पत्र बनाया जाता है। यह उसी अस्पताल से मिलता है जहाँ शिशु का जन्म होता है। आओ हम देखते है कि इसमें क्या-क्या जानकारी दी गई है। | (जन्म प्रमाण पत्र (पृष्ठ -19) पुस्तकों से परे हमारा पर्यावरण ) |
| अब एक-एक करके जन्म प्रमाण पत्र के नीचे प्रश्न आते है। सही उत्तर पर निशान लगाना है। (√) अगर गलत उत्तर है तो लाल बत्ती जलेगी। स्क्रीन पर केप्शन लिखा दिखाई देगा। 'फिर कोशिश कीजिए सही उत्तर हरी बत्ती जलेगी'।<br>1. बच्चे का जन्म कब हुआ ? | 1. बच्चे का जन्म कब हुआ ?<br>☐ 14 अगस्त 2008 ☐ 14 अगस्त 2010 |
| 2. बच्चे का जन्म कौन से राज्य में हुआ है ?या प्रमाण पर किसे राज्य का नाम लिखा है? | 2. बच्चे का जन्म कौन से राज्य में हुआ है ?या प्रमाण पर किसे राज्य का नाम लिखा है?<br>☐ दिल्ली ☐ उत्तर प्रदेश |
| 3. जन्म प्रमाण पत्र की क्रम संख्या क्या है ? | 3. जन्म प्रमाण पत्र की क्रम संख्या क्या है ?<br>☐ 37212 ☐ 32712 |

| | |
|---|---|
| 4. रजिस्ट्रेशन संख्या क्या है? | 4. रजिस्ट्रेशन संख्या क्या है?<br>☐ GHANN208-0249/V-191019-60<br>☐ GHANN2009-0249/V-1910/9-68 |
| 5. रजिस्ट्रेशन का दिनाँक /दिन क्या है ? | 5. रजिस्ट्रेशन का दिनाँक /दिन क्या है ?<br>☐ 3 सितम्बर-2010 ☐ 3 सितम्बर-2008 |
| 6. जन्म कौन से अस्पताल में हुआ था ? | 6. जन्म कौन से अस्पताल में हुआ था ?<br>☐ कौशाम्बी मैडिकल सैंटर<br>☐ कौशाली मैडिकल सैंटर |
| 7. बच्चा लड़का है या लड़की ? | 7. बच्चा लड़का है या लड़की ?<br>☐ लड़का ☐ लड़की |
| 8. क्या बच्चे का नाम लिखा है ? | 8. क्या बच्चे का नाम लिखा है ?<br>☐ हाँ ☐ नहीं |
| 9. यदि नहीं तो क्यों ? (चर्चा का प्रश्न) | 9. यदि नहीं तो क्यों ? (चर्चा का प्रश्न) |
| 10. बच्चे के परिवार के किन लोगों का नाम प्रमाण-पत्र में है ? | 10. बच्चे के परिवार के किन लोगों का नाम प्रमाण-पत्र में है ?<br>☐ माता ☐ पिता |
| 11. क्या तुम्हारा कभी रजिस्ट्रेशन हुआ है हाँ तो कहाँ ? | 11. क्या तुम्हारा कभी रजिस्ट्रेशन हुआ है हाँ तो कहाँ ?<br>☐ हाँ ☐ नहीं |
| 12. पंजीकरण/ रजिस्ट्रेशन की आवश्यकता कहाँ -2 होती है ? (चर्चा के प्रश्न) | 12. पंजीकरण/ रजिस्ट्रेशन की आवश्यकता कहाँ -2 होती है ? (चर्चा के प्रश्न) |
| 13. पंजीकरण / रजिस्ट्रेशन की आवश्यकता क्यों होती है ? (चर्चा के प्रश्न) | 13. पंजीकरण / रजिस्ट्रेशन की आवश्यकता क्यों होती है ? (चर्चा के प्रश्न) |

**सही उत्तर**

1. 14 August 2008
2. उत्तर प्रदेश
3. 32712
4. GHANN2009-0249/V-1910/9-68

5. 3 सितम्बर-2008
6. कौशाम्बी मैडिकल सैंटर
7. लड़की
8. नहीं
9. पिता

विषय : पर्यावरण अध्ययन
कक्षा : IV
थीम : पानी
शीर्षक : पोस्टर पढ़ना
ऑडियंस: विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक
उद्देश्य : * जल संरक्षण की आवश्यकता समझना और सरंक्षण से संबंधित पोस्टर पढ़ना।
* जल संरक्षणकेलिए"क्या करे" और "क्या न करें" के बारे में जानना।
सूचक शब्द : विश्व जल दिवस, जल, जल संरक्षण, 22 मार्च
स्रोत : पुस्तकों से परे पर्यावरण, Page 178, पोस्टर- विश्व जल दिवस

**Instruction for the developer:**

**स्क्रीनपरपोस्टरआताहैफिरऑडियोचलताहै**

| **ऑडियो** | **विडियो** |
|---|---|
| इसपोस्टरकोध्यानसेपढ़ेऔरप्रश्नोंकेउत्तरढूँढ़करचर्चाकरे।<br><br>यह पोस्टर किस बारे में हैं ?<br>यह दिवस प्रत्येक वर्ष कब मनाया जाता है ?<br>यह पोस्टर किसने जारी किया है ?<br>इस पोस्टर से क्या-क्या बाते पता चल रही है ?<br><br>पानीकीज़रूरतसबकोहै/<br>सबकोज़रूरतकेहिसाबसेपानीमिलेऔरसाथहीहमारीआनेवालीपीढ़ीकोपिनेकेपानीकीकमीनहोइसलिएपानीकोबर्बादहोनेसेबचानाबहुतज़रूरीहै /<br>आओजानेकीहमेजलसंरक्षणकेलिएक्याकरनाचाहिएऔर क्यानहीं **...**<br><br>क्याकरे | चित्र : पोस्टर विश्व जल दिवस<br><br>यह पोस्टर किस बारे में हैं ?<br>यह दिवस प्रत्येक वर्ष कब मनाया जाता है ?<br>यह पोस्टर किसने जारी किया है ?<br>इस पोस्टर से क्या-क्या बाते पता चल रही है ?<br><br>Slide<br><br>क्याकरे (Do's) |

**Slide 1**

**चित्र-** पानी के नल को खुला छोड़ा हुआ है।

| | |
|---|---|
| पानी के नल को प्रयोग के बाद तुरंत बंद कर दें। | |
| नहाते समय फव्वारे की जगह बाल्टी तथा मग का प्रयोग करें | **Slide 2**<br>**चित्र-** नहाने में बाल्टी और मग से नहाता हुआ बच्चा |
| पानी रिस रहा है और एक व्यक्ति उसे बंद कर रहा है। | **Slide 3**<br>**चित्र-** जगह-जगह रिसने वाले पानी को तुरंत बंद करें। |
| क्या न करें | **Slide**<br>क्या न करें (Don'ts) |
| पानी की कमी वाले इलाके में बिना अनुमति के Bore-well न खोदें। | **Slide 4**<br>चित्र- Bore-well खोदते हुए। |
| वर्षा के जल को इकट्ठा करेंजिससे ज़मीन के नीचे पानी का स्तर भी बढ़े। | **Slide 5**<br>**चित्र-** वर्षा के पानी को इकट्ठा करें जिससे ज़मीन के नीचे पानी का स्तर भी बढ़े। |
| आधुनिक सिंचाई के माध्यमों का प्रयोग | **Slide 6**<br>**चित्र-**(छिड़काव, ड्रिप - सिंचाई) |

| | |
|---|---|
| कारखानों, होटलों तथा घरों आदि से निकला गंदा पानी नदियों में नहीं जाने दें। | **Slide 7**<br><br>**चित्र-** (Water treatment plant का दृश्य) |
| कारों को बहते पानी से साफ न करो। | **Slide 8**<br><br>**चित्र-** कार को गीले कपड़ेसे पोंछतें हुए।<br><br>(बाल्टी में थोड़ा पानी है) |
| **चर्चा करो।**<br>तुम पानी बचाने के लिए क्या-क्या करते हो ?<br><br>अगर तुम स्कूल में साफ़ पानी बहता देखते हो तो क्या करोगे**?** | तुम पानी बचाने के लिए क्या-क्या करते हो ?<br><br>अगर तुम स्कूल में साफ़ पानी बहता देखते हो तो क्या करोगे**?** |

विषय : पर्यावरण अध्ययन
कक्षा : IV
थीम : पानी
शीर्षक : बूँद-बूँद से
ऑडियंस: विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक
उद्देश्य : पानी बचाने के लिए संवेदनशील करना।
पानी बचाने के तरीकों के बारे में जानकारी देना।
सूचक शब्द : पानी, पानी बचाना

**Instruction for developer:**

| ऑडियो | वीडियो |
|---|---|
| जल ही जीवन, जल ही जीवन<br>पानी हमको देता जीवन<br>नदियों और तालाब से आता<br>झरनों और पहाड़ से आता<br><br>कपडे धोते और नहाते<br>इसको पीकर प्यास बुझाते<br>पौधों को भी मिलता जीवन<br>जल ही जीवन, जल ही जीवन<br><br>बच्चो यह तो तुम सभी जानते हो की पानी हम सबके लिए कितना ज़रूरी है/ पृथ्वी पर प्रत्येक जीव जल पर निर्भर है/ पर यह भी सच है की हम पानी का उतना प्रयोग नही करते जितना हम उसे बर्बाद कर देते है/<br>यह कुछ क्रियाए दी गई है/ बताओ किन क्रियाओ से पानी बचाया जा सकता है ?<br>**(सही और ग़लत के निशान option में Blink होंगे। सही चयन करने पर हरी बत्ती होगी। ग़लत पर लाल बत्ती होगी)** | जल ही जीवन, जल ही जीवन<br>पानी हमको देता जीवन<br>नदियों और तालाब से आता<br>झरनों और पहाड़ से आता<br><br>कपडे धोते और नहाते<br>इसको पीकर प्यास बुझाते<br>पौधों को भी मिलता जीवन<br>जल ही जीवन, जल ही जीव<br><br>**3D चित्र**<br>**1.** नल से बूँद-बूँद पानी टपक रहा है।<br>☐ ☐<br>**2.** बच्चा मग में पानी लेकर ब्रश कर रहा है। |

3. बाल्टी भरते ही नल बंद करना

4. बोतल में बचा हुआ पानी पौधों में

5 जितनी ज़रूरत है उतना ही पानी

6 पाइप से कार धोना

7 स्कूल का नल खुला देखकर उसे बंद करना

8 नल से पानी पीकर खुला छोड़कर जाना

9 नल से पानी पीकर खुला छोड़कर जाना

10 पानी की पाइप लाइन टूटी हुई है। पानी

11 नल पूरी तरह बंद है।

नल बह रहा है और बच्चा ब्रुश कर रहा है।

टंकी में अलार्म बजते ही मोटर बंद करना।

| | |
|---|---|
| | 12<br><br>13<br><br>14<br><br>15 पानी से भरे गिलास फेंकना<br><br>16 बाल्टी में पानी लेकर कपड़े से कार साफ<br><br>17 नल खुला देखकर बिना बंद किए चले<br><br>18 नल से पानी पीकर नलका ठीक से बंद<br><br>**पानी बर्बाद होने से रोकें।** |

- Screen के Split frame में दिए गये क्रिया कलापों को क्लिक करके सही ( ) ग़लत ( ) का पता लगाना है। सही होने पर हरी बत्ती होगी। यदि ग़लत उत्तर हुआ तो लाल बत्ती होगी।

- Correct answer-

  1. 2. 3. 4 . 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14.

  15. 16. 17. 18.

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | पाँच |
| थीम | : | पानी |
| शीर्षक | : | बूँद-बूँद, दरिया-दरिया 1 |
| ऑडियंस | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| उद्देश्य | : | पानी के पुन: उपयोग के प्रति सचेत तथा कार्यशील बनाना। |
| सूचक शब्द | : | पानी, वर्षा जल, पानी की संग्रहण, बूँद-बूँद, दरिया-दरिया, जल संरक्षण, पानी के स्त्रोत, बावड़ी। |

Instruction for developers:

| **ऑडियो** | **वीडियो** |
|---|---|
| पुराने ज़माने में लोग पानी की क़ीमत जानते थे तभी नए-नए तरीके, जिन्हें पहले कोई नहीं जानता था, सोच निकाले... जैसे - बावड़ी, सीढ़ीदार कुँए, तालाब आदि बहुत से तरीकों से लोग पानी बचाने का काम किया करते थे।<br><br>पर अफसोस की बात ये है कि इनमें से अधिकतर बावड़ी, कुँए, तालाब आदि अब सूख चुके हैं ..। और जल स्तर गिर चुका है जिसकी वजह से हम पानी की किल्लत से जूझनें लगे हैं।<br><br>जरा सोचो यह किन कारणों से हुआ होगा | रानी की बावड़ी (राजस्थान) का चित्र<br><br>भोपाल के तालाब<br><br>चित्तौड़गड़ किले में पानी की व्यवस्था का चित्र<br><br>जरा सोचो यह किन कारणों से हुआ होगा<br><br>पेड़ काटने से बारिश का कम होना<br><br>मोटर लगाकर ज़मीन के नीचे का पानी खींचना<br><br>पानी को प्रदूषित करना<br><br>पक्की सड़को का बनाना |

- कक्षा में अध्यापिका दिए गए कारणों पर चर्चा करें

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | पाँच |
| थीम | : | पानी |
| शीर्षक | : | बूँद-बूँद, दरिया-दरिया 2 |
| ऑडियंस | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| उद्देश्य: | : | वर्षा जल संग्रहण केविभिन्न तरीको को देखकर जल संरक्षण के लिए प्रोत्साहित हो सकेंगे। |
| सूचक शब्द | : | पानी, वर्षा जल, पानी की संग्रहण, बूँद-बूँद, दरिया-दरिया, जल संरक्षण, पानी के स्त्रोत, बावड़ी। |

Instruction for developers:

| **ऑडियो** | **वीडियो** |
|---|---|
| पानी! जिसके बिना जीने की हम कल्पना भी नहीं कर सकते।<br>पानी हमारे लिए इतना ज़रूरी है इसीलिए प्रकृति ने हमारे लिए इसके भरपूर इंतज़ाम किए हैं...। | पहाड़ों से निकलती नदियों का विडियो/ चित्र तथा बारिश का चित्र (नदियों, तालाबों, झीलों में पड़ते हुए) |
| तुम जानते हो न भारत में हर हिस्से/जगह में तो नदियाँ नहीं हैं फिर इन जगहों पर रहने वाले लोग पानी की जरूरत को कैसे पूरा करते होगें ...?? ऐसे लोग या तो दूर-दूर जहाँ नदियाँ या तालाबों से पानी भरकर लाते या बारिश के पानी को इकट्ठा करते हैं। | भारत के मानचित्र में उन राज्यों को दर्शाते हुए चित्र जहाँ से नदियाँ गुज़रती है।<br>औरतों का मटको आदि में पानी लाते हुए चित्र<br>कुँओं से पानी खीचते हुए चित्र<br>बावड़ियों का चित्र<br>तालाब, झीलों का चित्र |
| आओ देखते हैं ऐसे ही कुछ अनोखा तरीका जिससे बारिश के पानी को इकट्ठा किया जाता था:<br>राजस्थान में पानी इकट्ठा करने के इस तरीके को 'टाँका' व्यवस्था कहते हैं। ज़मीन के नीचे बनी ये टंकी लोग | छत से पाइप द्वारा पानी ज़मीन के नीचे बनी टंकी में जाते हुए का चित्र |

| | |
|---|---|
| ज्यादातर घर के अन्दर बनवाते थे। जिससे बारिश का पानी इकट्ठा होने के साथ-साथ घर ठंडा भी रहता था।<br>कई जगह ज़मीनके नीचे दो टैंक भी होते ताकि एक के भर जाने पर दूसरा काम आ सके।<br><br>बताओ इन दो टैंक को जोड़ने के लिए पाइप कहाँ बनाया जाए ताकि एक के भरने के बाद बाकी पानी दूसरे में जा सके। | बताओ इन दो टैंक को जोड़ने के लिए पाइप कहाँ बनाया जाए ताकि एक के भरने के बाद बाकी पानी दूसरे में जा सके।<br>टैंक 1 का चित्र<br>टैंक 2 का चित्र<br> <br> |

Instruction for developer :

(बच्चे पाइप को कर्सर की मदद से दोनो टैंक को जोड़ने के लिए सही स्थान पर लगाऐंगे। )

सही जबाव

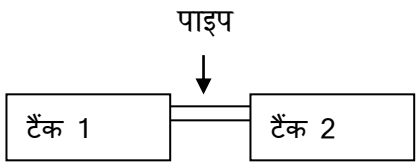


कर्सर द्वारा पाइप को टैंक के इस जगह ड्रैग करने पर पानी टैंक 2 में जाने लगेगा।

गलत जबाव होने पर सारी चीजें अपनी जगह वापस आ जाएगी

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | पाँच |
| थीम | : | पानी |
| शीर्षक | : | बूँद-बूँद, दरिया-दरिया 3 |
| ऑडियंस | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| उद्देश्य | : | भारत के विभिन्न क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता एवं जल संग्रहीकरण के तरीकों का पता लगाना। |
| सूचक शब्द | : | पानी, वर्षा जल, पानी की संग्रहण, बूँद-बूँद, दरिया-दरिया, जल संरक्षण, पानी के स्त्रोत, बावड़ी। |

Instruction for developers:

पर्दे पर दो box होंगे एक खाली और एक में इस sketch को बनाने के लिए बाँस, लकड़ी का हैंडल आदि।

एक original तसवीर के बाद पर्दे पर बच्चे खुद से sketch बनाऐंगे।

| ऑडियो | वीडियो |
|---|---|
| **बांस ड्रिप सिंचाई प्रणाली**<br><br>भारत के एक पूर्वोत्तर राज्य मेघालय में सिंचाई की एक विशेष विधि है जिसमें पानी की बचत होती है। इस विधि में पानी को पोधों की जड़ों में बूँद-बूँद करके टपकाया जाता है। जानते हो बांस से इस तरह सिंचाई का ये तरीका 200 साल पुराना है। | **Bamboo drip irrigation system**<br><br>Construction sketch of bamboo drip irrigarion system<br> |

| | |
|---|---|
| बच्चे कर्सर से खाली box में बांस को इस तरह लगाऐंगे कि पानी बिना गिरे एक बांस के हिस्से से दूसरे में गिरता जाए। | |

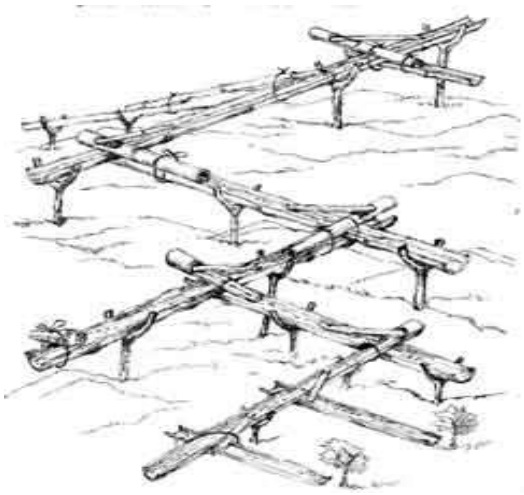

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | III |
| थीम | : | भोजन |
| शीर्षक | : | कहाँ से आया किसने पकाया (भोजन प्रक्रिया) |
| ऑडियंस | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| उद्देश्य | : | खाना बनाने की विभिन्नप्रक्रियाओं से परिचित कराना |
| सूचक शब्द | : | गूंथना,कद्दू कस, बेलना, भूनना, तलना, छानना,सेंकना |

**Instruction for the developer**

**Step 1**: खाना बनाने की विभिन्न प्रक्रियाओं के बारे में एक लघु फ़िल्म / एनीमेशन / प्रस्तुति प्रदर्शित की जाएगी जिसमें क्रम 1 से 10 तक की प्रक्रियाओं को दिखाया जाएगा।

**Step 2**: खाना बनाने की प्रक्रियाओं के चित्रस्क्रीन पर प्रदर्शित किए जाएँगे। चित्र के साथ 3 विकल्प दिए जाएँगे।

**Voice over**:अब तक तो तुमने इन अलग अलग प्रक्रियाओ के बारे में जाना...चलो अब सही प्राक्रिया की पहचान करो

**चित्रप्रक्रियाका नाम**

1. गूंथना ☐ ☐ ☐
2. कद्दू कस करना ☐ ☐ ☐
3. बेलना ☐ ☐ ☐
4. भूनना ☐ ☐ ☐
5. तलना ☐ ☐ ☐
6. छानना ☐ ☐ ☐
7. सेंकना ☐ ☐ ☐
8. टुकड़ें काटना ☐ ☐ ☐

9. उबालना

10. घिसना

**Step 3:**खाना बनाने की विभिन्न प्रक्रियाओं के चित्र के सही विकल्प पर हरी बत्ती जलेगी। अगला चित्र प्रदिर्शत होगा। गलत होने पर लाल बत्ती जलेगी। चित्र नहीं बदलेगा।

**Step 4:** प्रयोगकर्ता द्वारा दिए गए सभी सही / ग़लत उत्तरों को एक साथ प्रदिर्शत किया जाएगा।

**सही उत्तर :**1. गूंथना 2. कद्दू कस 3.बेलना 4.भूनना 5.तलना 6.छानना 7.सेंकना 8.टुकड़ें काटना 9.उबालना 10.घिसना

विषय : पर्यावरण अध्ययन
कक्षा : IV
थीम : भोजन
शीर्षक : कहाँ से आया, किसने पकाया
ऑडियंस: विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक
उद्देश्य : गेहूँ से रोटी बनाने तक की प्रक्रिया के बारे में परिचित कराना
सूचक शब्द : गेहूँ से रोटी तक
स्रोत : CIET (CD) गेहूँ की ज़ुबानी

**वीडियो प्रोग्राम**

## गेहूँ की ज़ुबानी

| ऑडियो | वीडियो |
|---|---|
| सदियों से तुम्हारा पेट भरता आया हूँ – पहचान तो रहे हो न! | वीडियो- 3 मिनट |
| मैं हूँ गेहूँ – (हँसते हुए) | पहले खेत जोतते हुए बीज बोते हुए, सींचते हुए |
| कितनी मेहनत करता है किसान मुझे बोने से पकाने तक की प्रक्रिया में | देखभाल करते हुए/दिन रात जागते हुए<br>लहलहाती हुई गेहूँ की बाले, दूर तक फैले हुए खेत |
| और फिर जब मैं सोने के सुनहरे दानों के रूप में पक जाता हूँ तो मुझे बोरियों में भरकर अनाज मंडी तक पहुँचाया जाता है। | गेहूँ की बोरी बैलगाड़ी में लाद कर मंडी पहुँचाते हुए |
| वहां से दुकानदार ले जाते हैं। फिर मुझे चक्की में पीसा जाता है। | बड़ी मिलों में गेहूँ चक्की में पीसते हुए |
| और फिर आटा थैलियों में भरकर तुम तक घर-घर पहुँचाया जाता है। आटे से बनती है – jksfV;ki | पिसे आटे को गूंथकर रोटी बनाते हुए |
| याद रखना मैं हूँ गेहूँ | **(Info-graphic गेहूँ उगाने के अलग-अलग कार्यों से जुड़े चित्रों के साथ-साथ उनके कामों को लिखा** |

| | |
|---|---|
| दिए गए चित्रों को देखो और पहचानों कि क्या-क्या कार्य हो रहे हैं। फिर उन्हें सही क्रम में लगाओ। सही क्रम में लगाने पर बजेगी तालियाँ। ग़लत होने पर 'फिर से प्रयास करो' की आवाज़ आएगी। | **जाएगा।)**<br>चित्र 1 **खेत में झूमती हुई बेले**<br>चित्र 2 **चक्की पर आटा पिसते हुए**<br>चित्र 3 **किसान खेत में गेहूँ बोते हुए**<br>चित्र 4 **खेत में पानी देते हुए किसान**<br>चित्र 5 **आटा पर गूँथते हुए महिला**<br>चित्र 6 **रोटी सेकते हुए लोग खाते हुए** |

- सही क्रम - 3, 4, 1, 2, 5, 6

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | IV |
| थीम | : | भोजन |
| शीर्षक | : | सावधानी ही सुरक्षा |
| आडियन्स | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| उद्देश्य - | : | 1. आपात स्थितियों के प्रति जागरूकता।<br>2. रसोई घर में सावधानियाँ।<br>3. आपात स्थितियों से बचने के सुझावों पर चर्चा। |
| सूचक शब्द | : | आपात स्थिति, गैस सिलेण्डर , गैस लीक रसोई घर में सावधानियाँ। |
| स्त्रोत | : | www.ncert.nic.in/deptt/nic/dee/publictaion/pdf/Pustkan-se-pare-kamara%20- parayavaranpdf . Page 143 |

**Instruction for developer:**

सबसे पहले स्क्रीन पर गैस स्टोव और सिलेण्डर का चित्र आता है और Audio सुनाया जाता है

| **Audio** | **Video** |
|---|---|
| इन चित्रों को पहचानते हो क्या तुम ? जरा इनके नाम तो बताओ। यह है गैस स्टोव। खाना बनाने के लिए घर में, होटल में, कैंटीन में सभी जगह इसी का इस्तेमाल किया जाता है। इसका प्रयोग करना बहुत ही आसान है इसके प्रयोग में बहुत सारी बातों का ध्यान रखना आवश्यक है नहीं तो बड़ी दुर्घटना का सामना करना पड़ सकता है।<br>सही स्थिति पर (✓) का निशान लगाओ। | **चित्र**<br>रसोईघर में गैस स्टोव और सिलेण्डर<br>चित्र – होटल, कैंटीन आदि में गैस का प्रयोग<br><br>चित्र – ( Page 143 से लेने हैं) |
| कई बार खाना बनाते समय कुछ लोग गैस को सिम कर देते हैं और अन्य कामों में लग जाते हैं किसी कारण से सिम गैस बुझ जाती है और खतरे की स्थिति बन जाती है। | **स्थिति - 1**<br>(पुस्तकों से परे हमारा पर्यावरण में पृष्ठ)<br>(143 पर गैस स्टोव प्रयोग करने के दिए गए चित्र)<br>नॉब सिम पर है और गैस बुझी है<br>जल रही है।और खाद बन रहा है। |
| कौन सी स्थिति में दुर्घटना हो सकती है। | **स्थिति – 2** |

चित्र 2.32

गैस लीक होने पर कौन – सी स्थिति बचाव में सहायक होगी?

**स्थिति - 3**

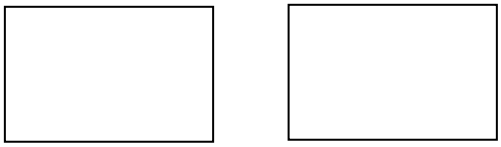

चित्र 2.33

**स्थिति - 4**

रात को सोने से पहले क्या करना सुरक्षित होगा?

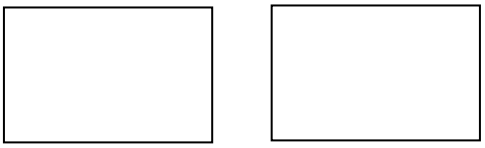

चित्र 2.34

**सोचो व दोस्तों के साथ चर्चा करे।**

**चर्चा**

- यदि तुम्हारे घर में गैस की गंध आए तो आप क्या करेगे ?
- क्या तुम्हारा सामना ऐसी किसी आपात स्थिति से हुआ है? तब तुमने क्या किया ?
- ऐसी किसी स्थिति का सामना करने पर तुमने व घर के अन्य सदस्यों ने क्या–क्या सावधानियाँ बरती ?

- यदि तुम्हारे घर में गैस की गंध आए तो आप क्या करेगे ?
- क्या तुम्हारा सामना ऐसी किसी आपात स्थिति से हुआ है? तब आपने क्या करा?
- ऐसी किसी स्थिति का सामना करने के तुमने व घर के अन्य सदस्यों ने क्या–क्या सावधानियाँ बरती ?

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | पाँच |
| थीम | : | |
| शीर्षक | : | छोटी सी जीभ पर काम हैं बड़े |
| ऑडियंस | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| उद्देश्य | : | 1 जीभ की बनावट को जानना। |
| | | 2 भोजन पचाने में जीभ के कार्य को समझना। |
| | | 3 जीभ पर स्वाद ग्रन्थियों की स्थिति को पहचानना |
| Key Words | : | जीभ, स्वाद ग्रंथियाँ, स्वाद |

Instruction for developers:

| **ऑडियो** | **वीडियो** |
|---|---|
| हमारी जीभ। हर स्वाद का मज़ा हम तक पहुंचाने वाली। है तो छोटी सी पर काम करती है बड़े-बड़े। इस पर ये जो स्वादों के नाम दिखाए गए हैं न, इन्हीं स्थानों से हम ज़्यादा अच्छी तरह से दिखाए गए स्वादों का मज़ा ले सकते हैं। चलो, ज़रा कोशिश करें। | 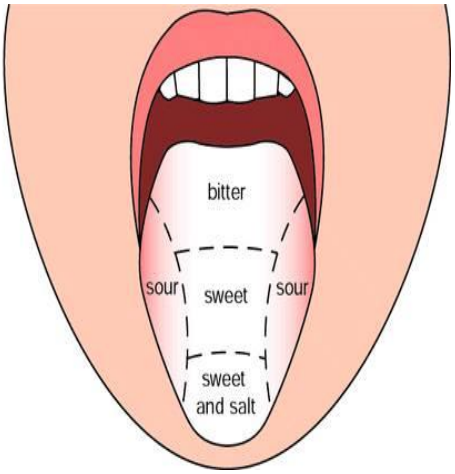 |
| **Drop & Drag Activity**<br>इन चीज़ों को सही स्वाद ग्रंथि तक पहुँचाओ जहाँ इनका स्वाद मिल सके। | चित्र - जीभ स्वाद ग्रंथियाँ के साथ<br>1 चीनी 6 लाल मिर्च<br>2 नमकीन 7 गुड़<br>3 करेला 8 इमली<br>4 मिर्च 9 चटनी<br>5 कच्चा आम 10 चॉकलेट |

| | |
|---|---|
| स्वाद के अलावा जीभ के और भी काम हैं। ज़रा अपनी जीभ पकड़ कर बोलने की कोशिश करो तो। नहीं बोल पाए न। | 1 बोलने में<br>(चित्र बच्चा जीभ पकड़कर बोलने की कोशिश करते हुए) |
| खाना चबाने के बाद ज़रा निगल कर देखो। क्या जीभ ने कुछ कार्य किया ? ये जो लार देख रहे हो तुम, ये लार ग्रन्थियों से निकलता है और ये ग्रन्थियाँ जीभ के नीचे होती हैं।<br><br>यही लार खाने के साथ मिलकर उसे न्रम बना कर चबाने में और पचाने में मदद करता है। | 2 खाने को निगलने में<br>(खाना निगलते हुए)<br><br>3 खाना पचाने में<br>(मुँह से लार टपकते हुए) |
| इस चित्र में विभिन्न स्वाद ग्रंथियों को इनके सही स्थान पर दिखाओ। | जीभ का चित्र बिना स्वाद ग्रंथियों के।<br><br>मीठा<br>नमकीन<br>खट्टा<br>कड़वा |

Instruction for the developer

सही उत्तर

1. कड़वा - करेला , हरी मिर्च, लाल मिर्च
2. खट्टा – कच्चा आम, इमली, चटनी
3. नमकीन - नमकीन
4. मीठा – चीनी, गुड़, चॉकलेट

सही उत्तर पर तालियों की आवाज आएगी व गलत उत्तर पर दोबार प्रयास करो लिखा आएगा।

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | पाँच |
| थीम | : | भोजन |
| शीर्षक | : | खत्म हो जाए तो (गैस सिलेंडर रसीद) |
| ऑडियंस | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| सूचक शब्द | : | गैस सिलेंडर रसीद |
| उद्देश्य | : | 1. गैस सिलेंडर की रसीद को ध्यानपूर्वक पढ़ना।<br>2. विभिन्न आपात स्थितियों के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना।<br>3. आपात स्थितियों से बचने के सुझावों को जानना। |
| स्रोत | : | ncert book.Pustako se pare humara paryavaran, ( सिलेंडर की रसीद पृष्ठ - 141,<br>142 143<br>http://www.ncert.nic.in/departments/nie/dee/publication/pdf/Pustakon_se_<br>pare_hamara%20_paryavaran.pdf |

Instruction for developers:

| **Audio** | **Video** |
|---|---|
| ये जो तुम देख रहो हो न, ये गैस की रसीद तुमने अपने घर में भी देखा होगी।<br>ज़रा देखें तो यह गैस रसीद हमें क्या -क्या बता रही है। | इस वस्तु से शायद तुम परिचित होगें। यह गैस का सिलिण्डर हैं।<br>LPG गैस का एक बहुमूल्य ईधन है जो कई लोग इस्तेमाल करते हैं।<br>**गैस सिलेंडर की रसीद का**<br>**चित्र 2.29 (front Side)**<br>**गैस सिलेंडर की रसीद की**<br>**Back Side**<br>**चित्र 2.30** |

| | |
|---|---|
| पूछी गई बातों को रसीद में ढूँढ कर उस पर गोला लगाएँ।<br>1. गैस एजेंसी का नाम<br>2. सिलेंडर किसके नाम पर है ?<br>3. बिल नम्बर<br>4. ग्राहक संख्या<br>5. सिलेंडर का मूल्य<br>6. एल.पी.जी. रबड़ ट्यूब के बारे में<br>7. रेग्युलेटर के बारे में<br>8. सिलेंडर बदलने के विषय में<br>9. सिलेंडर लेने के समय<br><br>गैस के इस्तेमाल से संबंधित इन चित्रों को देखकर सही स्थिति पर √ का निशान लगओ। | (पुस्तकों से परे हमारा पर्यावरण चित्र page No 143 से लेने हैं)<br><br>चित्र 2.31<br>● नॉब सिम पर है<br>● गैस बुझी है।<br><br>चित्र 2.32<br>● पहले दीया सिलाई जलाकर फिर गैस की नॉब खोलना<br>● पहले गैस की नॉब खोलकर फिर दीया सिलाई जलाना<br><br>चित्र 2.33<br>● गैस लीक कर रही है पर खिड़की दरवाजे खुले है<br>● गैस लीक कर रही है और खिड़की दरवाजे बन्द है |

| | |
|---|---|
| | चित्र 2.34<br>• रात को सोने से पहले गैस की नॉब बन्द करना<br>• रात को सोने से पहले गैस की नॉब खुली है<br><br>**ध्यान रहे, सुरक्षा ज़रूरी है।** |

**Instruction for the developer**

**स्क्रीन पर विद्यार्थियों के लिए हाई लाइटर दीया जायेगा जिससे कि पूछी गई जानकारी पर गोला लगाएगे।**

**सही उत्तर**

**चित्र 2.29 –**

1. **भारत गैस**
2. **Mr R D Mahendra**
3. **3733**
4. **12077**
5. **345.35**
6. **कम से कम दो साल में एक बार अपनी एल पी जी रबर ट्यूब बदले**
7. **जब हॉट प्लेट का उपयोग न हो तो रेगुलेटर बन्द कर दे**
8. **सिलेण्डर बदलते समय सभी आग की खुली लौ बुझा दे**
9. **डिलीवरी के वक्त ही डिलीवरी मैन को सिलेण्डर जाँचने के लिए कहे**
   - **इन जानकारी पर गोला लगाने पर तालियों की आवाज आएगी**
   - **गलत उत्तर पर दोबार प्रयास करो की आवाज आएगी**

चित्र 2.31 - गैस बुझी है।
चित्र 2.32 - पहले दीया सिलाई जलाकर फिर गैस की नॉब खोलना

चित्र 2.33 - गैस लीक कर रही है पर खिड़की दरवाजे खुले है

चित्र 2.34 - रात को सोने से पहले गैस की नॉब बन्द करना

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | पाँच |
| थीम | : | भोजन |
| शीर्षक | : | सिलेंडर लो, मगर ध्यान से |
| ऑडियंस | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| उददेश्य | : | 1 ईंधन की बचत संबंधी उपायों के लिए प्रेरित करना<br>2 गैस सिलेंडर से जुड़ी जानकारी एकत्र करना |
| सूचक शब्द | : | गैस सिलेंडर, ईंधन, एल पी जी |
| स्त्रोत | : | ncert book.Pustako se pare humara paryavaran, ( सिलेंडर लो, मगर ध्यान से - पृष्ठ -144, 146, 147, 148<br>http://www.ncert.nic.in/departments/nie/dee/publication/pdf/Pustakon_se_pare_hamara%20_paryavaran.pdf |

Instruction for developers:

| **ऑडियो** | **वीडियो** |
|---|---|
| कई लोगों के घरों में रसोईघर में गैस का इस्तेमाल किया जाता है। पहचानते हो न तुम इसे ? | चित्र<br>गैस सिलिंडर |
| इसे लेते समय क्या तुमने कभी यह जानने की है कोशिश कि अब ये इस्तेमाल करने के लायक है भी या नहीं ? आओ देखें।<br>इस सिलेंडर के ऊपर की तरफ इस तरह के नंबर लिखे रहते हैं। | चित्र – 2.35<br>(पुस्तकों से परे हमारा पर्यावरण)<br>Page 144 |
| तालिका में देंखे, पूरे वर्ष को 3-3 माह के काल में बाँटा गया है। | सिलिंडर के ऊपर की तरफ नंबर दिखाते हुए<br>A जनवरी से मार्च<br>B अप्रैल से जून<br>C जुलाई से सितंबर<br>D अक्टूबर से दिसंबर |
| D-13 का अर्थ है कि इस सिलेंडर का दिसंबर 2013 तक ही प्रयोग किया जा सकता है।<br>अच्छा अब बताओ B-16 का क्या अर्थ है ?<br>सिलेंडर लेते समय यह ज़रूर देखें। | B-16<br>जून, 2016 के बाद वह सिलेंडर प्रयोग नहीं किया जा |

| | |
|---|---|
| | सकता।<br><br>**थोड़ी सावधानी, सबकी सुरक्षा** |
| सुरक्षा के साथ-साथ ईंधन की बचत करना भी बहुत ज़रूरी है। गैस की बचत करने के लिए अलग-अलग परिस्थितियों को देखें और सही ( √ ) का निशान लगाएँ। | चित्र<br>(पुस्तकों से परे पर्यावरण Page 146, 147, 148)<br><br>चित्र 2.36<br>● खुले बरतन में पानी उबल रहा है<br>● ढके बरतन में पानी उबल रहा है<br><br>चित्र 2.37<br>● प्रेशर कुकर में खाना पक रहा है<br>● कड़ाही में खाना पक रहा है<br><br>चित्र 2.38<br>● दाल बिना भिगोए बना रहे है<br>● दाल भिगोकर बना रहे<br><br>चित्र 2.39<br>● फ्रिज में से निकालकर खाना सीधे गैस पर गर्म करने के लिए रख दिया<br>● खाना फ्रिज में से निकालकर सामान्य तापमान पर लाने के बाद गैस पर गर्म किया<br><br>चित्र 2.40<br>● फ्रिज में गर्म – गर्म खाना रख दिया<br>● खाना सामान्य ताप पर लाकर फ्रिज में रखा<br><br>चित्र 2.41<br>● गैस पर खाना बन रहा है और अन्य किसी कार्य में व्यस्त हैं |

| | |
|---|---|
| | • खाना बनते ही गैस बंद कर दी<br><br>चित्र 2.42<br>• चौड़े तल वाले बर्तन में खाना पक रही है<br>• कम चौड़ी पेंदी वाले बर्तन में खाना पक रहा है |

सही उत्तर

1. ढके बरतन में पानी उबल रहा है
2. प्रेशर कुकर में खाना पक रहा है
3. दाल भिगोकर बना रहे
4. खाना फ्रिज में से निकालकर सामान्य तापमान पर लाने के बाद गैस पर गर्म किया
5. खाना सामान्य ताप पर लाकर फ्रिज में रखा
6. खाना बनते ही गैस बंद कर दी
7. चौड़े तल वाले बर्तन में खाना पक रही है

सही उत्तर पर तालियों की आवाज आएगी गलत उत्तर पर दोबार प्रयास करो की आवाज आएगी।

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | पाँच |
| थीम | : | भोजन |
| शीर्षक | : | किसानों की कहानी बीज की ज़ुबानी |
| ऑडियंस | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| उद्देश्य | : | मौसम, फसल तथा त्यौहारों का संबंध समझना। |
| सूचक शब्द | : | मौसम, त्योहार |

Instruction for developers:

| **Audio** | **Video** |
|---|---|
| भारत देश ! जिसके लगभग 70% लोग कृषि से जुड़े हैं और अपनी आजीविका के लिए इसी पर आधारित हैं।<br>जानते हो भारत के अलग-अलग राज्यों में कई ऐसे त्यौहार हैं जो फसलों से ही जुड़े हैं...। | (चित्र)<br>विभिन्न प्रांतों के लोग खेती करते हुए |
| 1. ओणम- जब फूलों की बहार होती है। तेज हवाएँ रूक जाती है तब केरल को प्राकृतिक सुंदरता अपने पूरे निखार पर होती है। ओणम फूलों का त्योहार है। यह वसंत का उत्सव है। रंग-बिरंगे हर वर्ष अगस्त-सितंबर में श्रवण नक्षता के दिन ओणम का उत्सव मनाया जाता है। इस समय किसान अपनी पकी हुई फसल काट चुकते हैं। वे इस खुशी में मौज-मस्ती करना चाहते हैं। इस त्योहार में भगवान महाबली का स्वागत किया जाता है। यह दस दिनों तक मनाया जाता है। | (चित्र)<br>ओणम मनाते हुए |
| इस उत्सव में महाबली और विष्णु को मिट्टी की मूत्तियाँ बनाई जाती हैं। उन्हें गोबर से लीपे हुए आंगन में रखकर फूलों से सजाया जाता है। इसके बाद में भोजन की व्यवस्था की जाती है।<br>ओणम के उत्सव के साथ ' कैकोट्टिकील नृत्य और खेल जुड़े रहते हैं। इनमें सबसे अधिक रोचक और आकर्षक खेल हैं -आरंमुलानौका दौड़। पानी में सांप की तरह इसमें तैरती नौकाओं को देखने का अनोखा अनुभव होता है। | |

| | |
|---|---|
| आजकल सब त्योहार सबके हैं-चाहे कोई ईद मनाए या ओणम मिट्टी के दिए जलाए या पोंगल मनाए। सब उत्सवों का एक ही लक्ष्य है-लोगों को आपस में जोड़ना, भाईचारा बढ़ाना।<br>2. पोंगल- भारत के दक्षिण में एक राज्य है-तमिलनाडु। जब वहाँ धान की फसल कटाई के बाद इकट्ठी की जाती है। तो वे लोग खुशी व्यक्त करने के लिए पोंगल का उत्सव मनाते हैं। यह 'तइ' नामक तमिल माह की पहली तारीख यानी जनवरी के महम में मनाया जाता है।<br>दरअसल पोंगल का अर्थ है- उत्तरायण की शुरूआत-सूर्य का उत्तर दिशा में जाना। पोंगल में दिवाली की तरह ही घर मोहल्ले की साफ़-सफ़ाईकी जाती है। फिर उन्हें सजाया जाता है। और जितनी बेकार की पुरानी चीज़ें होती हैं उनकी होली जलाते है। इस अवसर पर छोटे-छोटे लड़के ढोल पीटते हैं। ढोल को तमिल में 'बोगी कोट्टु' कहते हैं।<br>ऋतुओं के राजा इंद्र को बोगी समर्पित की जाती है क्योंकि इंद्र ही नयी ऋतुओं के आने की घोषणा करते हैं। यानी बसंत का मौसम शुरू होता है। पेड़-पौधों पर नयी-नयी कोपलें फूटने लगती हैं, फूल खिलते हैं। इस दिन नयी फ़सल के चावल से 'कोलम' यानी ज़मीन पर कुछ आकृतियाँ बनाई जाती है। घर के हर कमरे में इसी आटे से दीवारों के साथ-साथ पट्टियाँ बनाई जाती है। 'कोलम' से सूर्य देवता की पूजा की जाती है। पोंगल में सूर्य देवता की ही उपासना की जाती है क्योंकि सूर्य न हो तो कोई फसल पैदा कैसे होगी?<br>सूर्य देवता के भोग के लिए शर्करइ पोंगल बनाया जाता है। एक बर्तन में दूध उबालने के बाद उसमें नई फ़सल का थोड़े से चावल और गुड़ डालते हैं। जिस बर्तन में यह बनाते हैं उसे 'पोंगल पान्नाई' कहते हैं। इन दिनों गन्ना भी बहुत होता है। उनका जुलूस निकालते हैं। क्योंकि किसानों के लिए तो पशुधन ही सबसे बड़ा धन होता है।<br>इस दिन को 'माट्ड पोंगल'कहते हैं। गाँवों में शाम को इनकी पूजा अर्चना के बाद बैलगाड़ियों की दौड़ की प्रयोगिता की जाती है। इस तरह पोंगल बहुत हर्ष और उल्लास के साथ | (चित्र)<br>पोंगल मनाते हुए |

| | |
|---|---|
| मनाया जाता है।<br><br>3. बैसाखी- फसल का त्योहार है - बैसाखी। यह उत्सव हर अप्रैल माह में मनाया जाता है। बैसाख भारतीय कैलेंडर का एक महीना है । इसी के आधार पर इस पर्व को बैसाखी कहा जाने लगा। इसे खेती का पर्व भी कहा जाता है। फ़सल की कटाई के बाद पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसान जब फुर्सत पाते हैं तो लोकगीत और लोकनृत्यों में झूम उठते हैं। पंजाबी भंगड़ा और गिद्धा नृत्य विश्व प्रसिद्ध नृत्य है।<br>ढोल -नगाड़ों की भाषा पर किसान मस्त होकर एक दूसरे को बधाइ्र देते हैं, खुशियां बाँटते है।<br>यह त्योहार नये साल के आगमन का भी प्रतीक है। जगह - जगह बैसाखी के मेले लगाए जाते हैं। | (चित्र)<br>बैसाखी मनाते हुए |
| उत्तर भारत में इसे मकर संक्रांति, गुजरात में इसे उत्तरायण की शुरूआत के रूप में मनाया जाता है। | (चित्र)<br>मकर संक्रांति मनाते हुए |
| तमिल में इसे 'पुभांदू' कहते हैं। | (चित्र)<br>पुभांदू मनाते हुए |
| असम में बिहू नृत्य, बिहार में सूर्य की आराधना की जाती है।<br>बंगाली इस दिन कोई नया काम करना बहुत शुभ मानते हैं।<br>केरल में इस उत्सव पर धान की बुवाई की जाती है, एवं हल और बैलों को सजाया जाता है।<br>फसलों के ये त्योहार यह दर्शाते हैं कि भारत एक कृषि प्रद्यान देश है। यहाँ की धरती को संवारने वाला किसान है, उसका इस देश की धरती से बहुत गहरा रिश्ता है। | (चित्र)<br>बिहू मनाते हुए |
| क्रियाकलाप:<br>पहचानो इनमें से कौन-कौन से त्यौहार हैं जो फसलों से जुड़े हैं- | चित्र<br>ओनम<br>पोंगल<br>रक्षा बंधन<br>दुर्गा पूजा<br>ईद मनाते हुए चित्र |

| | |
|---|---|
| | बैसाखी<br>दीपावली मनाते हुए (चित्र)<br>मकर संक्रांति<br>गणेश चतुर्थी |

सही जवाब पर हरी बत्ती – मकर संक्राति, पोंगल, ओनम, बैशाखी
गलत जवाब पर लाल बत्ती – गणेश चतुर्थी, दुर्गा पूजा, रक्षा बन्धन,  दीपावली, ईद

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | पाँच |
| थीम | : | भोजन |
| शीर्षक | : | किसानों की कहानी बीज की ज़ुबानी (त्यौहार) |
| ऑडियंस | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| उद्देश्य | : | सामूहिक रूप से मनाये जाने वाले त्यौहार की पहचान। |
| सूचक शब्द | : | मौसम, त्योहार |

Instruction for developers:
स्क्रीन पर Caption आएगी **त्यौहारों के सही चित्र को पहचानकर क्लिक करेंगे**

**सही उत्तर क्लिक करने पर तालियों की आवाज़ आएगी व गलत उत्तर पर दोबारा प्रयास करो की आवाज़ आएगी।**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1. नीचे दिए गए चित्रों में से कौन से में 'पोंगल' त्यौहार मनाया जा रहा है –<br><br>चित्र – पोंगल<br>दीपावली<br>ईद | 2. नीचे दिए ग चित्रों में से कौन से में 'मकर संक्रांति' त्यौहार मनाया जा रहा है<br><br>चित्र – रक्षाबन्धन<br>क्रिसमस<br>मकर संक्रांति | 3. नीचे दिए गए चित्रों में से कौन से में 'बीहू' त्यौहार मनाया जा रहा है<br><br>चित्र – भाई दूज<br>बीहू<br>गुरू पूर्णिमा | 4. नीचे दिए गए चित्रों में से कौन से में 'लोड़ी' त्यौहार मनाया जा रहा है<br><br>चित्र – लोहड़ी<br>होली<br>दुर्गा पूजा | 5. नीचे दिए गए चित्रों में से कौन से में 'ओनम' त्यौहार मनाया जा रहा है<br><br>चित्र – दीपावली<br>दशहरा<br>ओनम |

**Extented learning: विद्यार्थी फसलों से जुड़े अन्य त्यौहारों के बारे में जानकारी प्राप्त कर, कक्षा में चर्चा करेंगे**

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | पाँच |
| थीम | : | भोजन |
| शीर्षक | : | झूम खेती |
| ऑडियंस | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| उद्देश्य | : | 1. झूम खेती के विविध पहलुओं को जानना।<br>4. झूम खेती की प्रक्रिया के विविध चरणों की पहचान करना। |
| सूचक शब्द | : | झूम खेती |

Instruction for developers:
अभी आप झूम खेती पर आधारित वीडियो कार्यक्रम देखेगे। यह ऑडियो के साथ स्क्रीन पर लिखा हुआ आएगा।

| **Audio** | **Video** |
|---|---|
| भारत के उत्तर पूर्वी इलाके की पहड़ियों में रहने वाले लोगों का खेती करने का परंपरागत तरीका है – झूम खेती । | (उत्तर पूर्वी संगीत व कोई लोकगीत )<br>बीहू नृत्य<br>(उत्तर पूर्वी पहाड़ों के धान के खेतों का दृश्य)<br>**झूम खेती** |
| दिसंबर व जनवरी के महीनों में कई लोग एक साथ मिलकर चुने हुए ज़मीन के टुकड़े में से पेड़-पौधों व झाड़ की कटाई करते हैं। | समय – दिसंबर – जनवरी<br>(कई लोग मिलकर ज़मीन से पेड़-पौधों व झाड़ की कटाई करते हुए) |
| फरवरी व मार्च के महीनों तक इन्हें वहीं सूखने के लिए छोड़ देते हैं। | फरवरी – मार्च<br>पेड़-पौधे व झाड़ ज़मीन पर सूखते हुए। |
| अप्रैल-मई के महीनों में इन सूखे हुए झाड़ व पेड़-पौधों को अच्छी तरह निगरानी में जला देते हैं। | अप्रैल – मई<br>सूखे झाड़ व पेड-पौधे जलते हुए। |
| इस ज़मीन की अच्छी तरह जुताई की जाती है जिससे जलाई गई चीजों की राख अच्छी तरह से feV~Vh में | जुताई करते हुए और राख feV~Vh में मिलते हुए। |

| | |
|---|---|
| मिल जाए। इससे feV~Vh बनती है उपजाऊ। | |
| जून के महीने में वर्षा आरंभ होते ही इसमें बीज डाल देते हैं। | जून<br>बुवाई करते हुए। |
| दो-तीन महीनो बाद फसल तैयार हो जाती है और सभी लोग उसे आपस में बाँट लेते हैं। | 2-3 महीने बाद तैयार फसल |
| उत्तर पूर्वी संगीत | बीहू नृत्य |
| दो-तीन वर्ष तक एक जगह खेती करने के बाद ये लोग दूसरी ज़मीन पर चले जाते हैं। | सामान लेकर जाते हुए लोग। |
| पहले वाली ज़मीन को कुछ सालों के लिए ऐसे ही छोड़ जाते हैं। | खाली पड़ी ज़मीन। |
| क्रियाकलाप<br>(झूम खेती करने के चरणों को सही क्रम देना होगा। क्रम सही न होने पर लाल बत्ती जल उठेगी। ) | झूम खेती के चरणों को सही क्रम में लगाए<br>1. पहाड़ी इलाके के किसी टुकड़े को साफ करना।<br>2. ज़मीन की जुताई करना।<br>3. कटे हुए झाड़, पेड़-पौधों को फरवरी मार्च में सूखने के लिए छोड़ना।<br>4. बीज बोना।<br>5. 2-3 महीनों में फसल तैयार करना।<br>6. अप्रैल-मई में सूखे झाड़, पेड़-पौधों को निगरानी में जलाना।<br>7. बीहू नृत्य। |

सही उत्तर

1. पहाड़ी इलाके के किसी टुकड़े को साफ करना।
2. कटे हुए झाड़, पेड़-पौधों को फरवरी मार्च में सूखने के लिए छोड़ना।
3. अप्रैल-मई में सूखे झाड़, पेड़-पौधों को निगरानी में जलाना।
4. ज़मीन की जुताई करना।
5. बीज बोना।
6. 2-3 महीनों में फसल तैयार करना।
7. बीहू नृत्य।

**सही क्रम लगने के बाद बीहू का संगीत सुनाई देगा**

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | पाँच |
| थीम | : | भोजन |
| शीर्षक | : | खाएं आम बारह महीने |
| ऑडियंस | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| उद्देश्य: | | 1. खाद्य पदार्थों को खराब होने से बचाने के विषय में जानकारी प्राप्त करना। |
| | | 2. सरंक्षण के तरीकों के बारे में समझ बनाना। |
| | | 3. विभिन्न खाद्य पदार्थों के लिए संरक्षण के विभिन्न तरीकों के प्रयोग के बारे में जानना। |
| | | 4. खाना खराब होने के कारणों को समझ सकेंगे। |
| सूचक शब्द | : | खराब खाद्य प्रदार्थ, खाद्य प्रदार्थ का सरंक्षण |

Instruction for developers:

अभी आप खराब खाद्य प्रदार्थों की पहचान और उनके सरंक्षण के तरीकों के बारे में जानेगें।

| **Audio** | **Video** |
|---|---|
| खाने पीने की चीज़ों को खराब होने से बचाने के लिए हम घरों में बहुत से तरीके अपनाते हैं। एक तरीका है- रेफ्रिजरेट | **चित्र** - रेफ्रिजरेटर |
| क्या होता है इसमें सामान रखकर ?<br><br>थोड़े ज़्यादा समय तक खराब होने से बच जाता है। पर क्यों ?<br><br>इसमें ठंडक बहुत होती है। बाहर की अपेक्षा इसमें तापमान बहुत कम रहता है। जिससे खाने को खराब करने वाले जीवाणु पनप नहीं पाते। | **चित्र**<br><br>पानी अंडे माँस बनी हुई सब्जिया<br><br>पनीर दूध गूँधा हुआ आटा<br><br>इसमें ठंडक बहुत होती है। बाहर की अपेक्षा इसमें तापमान बहुत कम रहता है। जिससे खाने को खराब करने वाले जीवाणु पनप नहीं पाते। |
| कुछ चीज़ों को भूनकर रखने से वो लम्बे समय तक खराब नहीं होती। जैसे -बेसन, सूज़ी, सेवियाँ।<br><br>भूनने से क्या हो जाता है ? नमी खत्म होने से भी खाना खराब करने वाले जीवाणु पनप नहीं पाते। | **चित्र -** महिला सूज़ी / बेसन को भूनकर रखते हुए<br><br>उनकी नमी खत्म हो जाती है। |
| दूध को उबालकर रखने से, या दाल सब्जी को फिर से गरम कर देने से भी कुछ लम्बे समय तक खराब हाने | **चित्र -** उबलता हुआ दूध |

| | |
|---|---|
| से बच जाती है। ऐसा क्यों ?<br>उबालने से या फिर से गरम करने से जीवाणु मर जाते हैं। | उबालने से या फिर से गरम करने से जीवाणु मर जाते हैं। |
| धूप में सुखाने से इन सब्जियों में क्या बदलाव दिख रहा है ?और एक बात। इनका भार भी कम हो जाता है। सोचो क्यों ?<br><br>क्योंकि इनका पानी सूख गया है। इसे निर्जलीकरण कहते हैं। अब ये खराब नहीं होगी। | कटे हुए गोभी, शलजम, गाज़र, धूप में सुखते हुए<br>सूखी मेथी<br>सूखा साग<br>सूखी हुई सब्जियाँ<br>सूखा पोदीना<br>सिकुड़ गई हैं।<br>हरी सब्जियाँ (मेथी /साग) आदि का आकार और रंग बदल गया है। |
| हाथ पर हल्का सा तेल लगाकर, दालों को हाथ से रगड़कर रखने से वो खराब नहीं होती। ऐसा क्यों ?<br><br>दाल पर तेल की परत आ जाती हे जिससे दाल का हवा और नमी से सीधा संपर्क नहीं हो पाता। | दालों को हल्का सा तेल वाला हाथ लगाकर रखते हुए।<br>हवा का दाल से सीधा संपर्क नहीं हो पाता। |
| जब अचार बनाया जाता है, तो उसे ऊपर तक तेल से ढँक देते हैं। जानते हो क्यों ? तेल के कारण हवा द्वारा नमी अचार तक नहीं पहुँचती और वह खराब होने से लंबे समय तक बच जाता है।<br><br>ऐसे ही जैली व मुरब्बे में और मीठे अचारों में चीनी की काफी अधिक मात्रा होने के कारण उसमें मौजूद पानी चीनी के साथ ही मिलकर गाढ़ी चाशनी बनाता है जिससे जीवाणुओं को पनपने के लिए पानी नहीं मिल पाता और वह चीज़ खराब होने से बच जाती है। | **लंबे समय तक बचाव**<br>अचार मीठा का चित्र<br>अचार तेल में का चित्र<br>जैली का चित्र<br>मुरब्बा का चित्र |

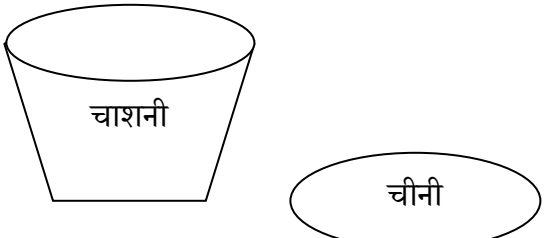

| | |
|---|---|
| | |

Instruction for developers:
Drag and Drop activity से खाद्य प्रदार्थों के चित्र का दृश्य और खराब न होने के तरीके

| **Audio** | **Video** |
|---|---|
| किन कारणों से चीज़ें खराब हो जाती है ? | हवा, पानी और उचित<br>तापमान मिल जाने से कुछ जीवाणु पनपने लगते हैं और वह चीज़ को खराब करते हैं। |
| Instruction for developers:<br>नीचे लिखी Instruction screen पर दी जाएगी। drag and drop activity से मिलान कराना है। | |
| कुछ खाद्य पदार्थों के चित्र दिए गए हैं। उन्हें किस तरह खराब होने से बचा सकते हैं, उसके सही तरीके से मिलाओ। | **Drag and Drop Activity**<br>**For the user** |
| | चित्र -<br>दूध<br>पकाई हुई सब्जी,<br>दाल<br>गूँधा हुआ आटा<br>बेसन<br>सूजी<br>कच्ची दालें<br><br>रैफ्रिजरेटर<br>उबालकर<br>भूनकर<br>तेल लगाकर |

| | | |
|---|---|---|
| | हरी सब्जियाँ<br>फल<br>मछली<br>माँस<br>अंडे | निर्जलीकरण<br><br>जैम, मुरब्बा |

सही उत्तर है –दूध उबालकर, पकाई हुई सब्जी, दाल (उबालकर) गूँधा हुआ आटा, फल, मछली, मांस, अंडे, (रेफ्रिजरेटर) हरी सब्जियाँ(निर्जलीकरण) बेसन, सूजी (भूनकर) दाल (तेल लगाकर)

विषय : पर्यावरण अध्ययन

कक्षा : पाँच

थीम : भोजन

शीर्षक : खाना हुआ ख़राब

ऑडियंस : विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक

उद्देश्य : 1. खराब खाने की पहचान कर पाना।

2. अलग-अलग चीज़ें अलग-अलग कारणों से ख़राब होती हैं, यह जानकारी प्राप्त करना।

सूचक शब्द : खराब खाना

Instruction for developers:

| **ऑडियो** | **वीडियो** |
|---|---|
| कभी-कभी हम खाने में कुछ बदलाव महसूस करते हैं। जैसे उसके रंग में,स्वाद में, गंध में, बनावट में। इन दोनों चित्रों में से किसमें तुम बदलाव देख रहे हो और क्या ? | प्लेट में ब्रेड का टुकड़ा (ताज़ा) (अ)<br>प्लेट में ब्रेड का टुकड़ा उस पर फफूँदी है (ब)<br>(ब) चित्र में<br>यह ब्रेड ख़राब है। इस पर फफूँदी है।<br>(खाने को सूँघते हुए) |
| हम कैसे जान लेते हैं कि कोई चीज़ ख़राब हो गई है?<br>खाने में लेस या चिपचिपाहट आना | खाने में चिपचिपाहट। लेस दिखाई देना। (आलू की सब्ज़ी का चित्र) |
| खाने का रंग बदलना | खाने के रंग में बदलाव (गूँधे हुए आटे का काला रंग) |
| खाने में कीड़े लगना | खाने में कीड़े लग जाना। (बेसन, सूजी में कीड़ों का चित्र) |
| सब्ज़ियों व फलों का गल जाना | कच्चे फल व सब्ज़ियों का पिलपिला हो जाना। गल जाना। (गली हुई पालक, भिंडी का चित्र) |
| प्रयोग अंडे का<br>क्या अंडे भी ख़राब हो जाते हैं ?<br>कैसे पहचानेंगे हम ? | प्रयोग अंडे का |

| | |
|---|---|
| पानी भरे गिलास में अंडा डालो। यदि अंडा तैरने लगे तो ख़राब है और यदि पानी में डूब जाए तो ठीक है।<br>इन बीजो को देखो। पानी में डालने पर जो तैरने लगें वो ख़राब हैं और जो डूब जाएँ वो ठीक हैं। | खराब बीज तैरते |
| बादाम, पिस्ता आदि मेवे भी ख़राब होने पर पानी पर तैरने लगते हैं। इनमें पाउडर निकलने लगता है और ये खोखले हो जाते हैं। | खराब बादाम पानी पर तैरते |
| **आओ पहचानें**<br>कौन सी चीज़ ख़राब है और कौन सी नहीं। इन्हें इनके सही घर तक पहुँचाना। ग़लत घर में जाने पर घंटी बज उठेगी।<br>Drag and drop se<br>शिक्षार्थी सही जगह पहुँचाएगा। | **आओ पहचानें**<br>चित्र-<br>**सूजी में कीड़े**<br>**बेसन में कीड़े**<br>**भुरभुरे बादाम पानी पर तैरते**<br>**दाल में कीड़े**<br>**ताज़ा पालक**<br>**भिंडी काली और गली हुई**<br>**ताज़ा सेब**<br>**आलू में थोड़ा पानी बहता हुआ**<br>**काली पड़ी हुई गोबी**<br>**रोटी पर फफूँदी**<br>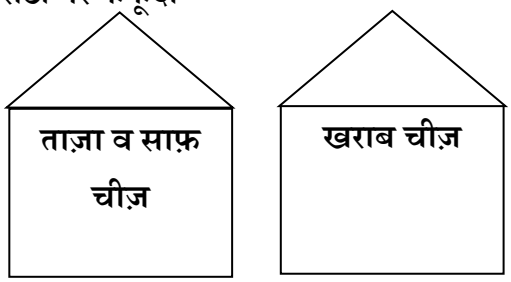 |

Instruction for developers:

शिक्षार्थी को ताज़ा व साफ़ चीज़ और खराब चीज़ drag and drop से सही जगह पहुँचानी है। गलत उत्तर पर घंटी बजेगी। इसके बाद पुन: कोशिश करनी होगी।

**सही उत्तर**

ताज़ा व साफ़ चीज़ - ताज़ा पालक , ताज़ा सेब

खराब चीज़- सूजी में कीड़े , बेसन में कीड़े , भुरभुरे बादाम पानी पर तैरते , दाल में  कीड़े , भिंडी काली और गली हुई , आलू में थोड़ा पानी बहता हुआ, काली पड़ी हुई गोबी, रोटी पर फफूँदी

| | | |
|---|---|---|
| विषय | : | पर्यावरण अध्ययन |
| कक्षा | : | V |
| थीम | : | भोजन |
| आडियन्स | : | विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक |
| शीर्षक | : | मिलावटी भोजन |
| उद्देश्य | : | 1. खाने-पीने की चीजों में मिलावट की जाँच करना।<br>2. मिलावटी चीज़ों के प्रति सचेतता। |
| सूचक शब्द | : | मिलावटी, एगमार्क, FPO |

**Instruction for developer:-**

| ऑडियो | वीडियों |
|---|---|
| 1. खाने-पीने की चीज़ों को केवल देखने से पता नहीं चलता कि उनमें मिलावट की गई है। खाने-पीने की चीज़ों में मिलावट का पता करने के लिए अलग-अलग चीज़ों में अलग-अलग तरीकों का प्रयोग किया जाता है। आज हम कुछ खाने की चीज़ों में मिलावट का पता लगाएंगें। | चित्र - विभिन्न खाने की की चीज़े |
| 2. पानी में हमने कुछ काली मिर्च के दाने डाल उन्हें काली मिर्च पानी में डूब जाती है पर कुछ व्यक्ति बीज तो पानी में तैरते हुए नज़र आ रहे है। वह काली मिर्च के बीज़ नहीं है। पपीते के बीज़ है जो देखने में तो बिल्कुल काली मिर्च की तरह लगते है पर होते हैं पपीते के बीज़। | इसमें काली मिर्च को पानी के भरे (काँच का गिलास) गिलास में डालते है। काली मिर्च पानी में डूब जाती है और कुछ बीज पानी पर तैर रहे है।<br>काली मिर्च — चित्र<br>पपीते के बीज़ — चित्र |
| 3. ये अरहर की दाल। जब इसे पानी से धोया तो सारा पानी पीला हो गया। अरहर की दाल पर नकली पीला रंग लगाया जाता है जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत नुकसान दायक होता है। | अरहर की दाल को पानी में धोते हुए दिखाया जा रहा है धोने पर पानी का रंग पीला हो गया है। |
| 4. ये है पिसी लाल मिर्च। जब हमने इसे पानी में मिलाया तो पानी के रंग में कोई बदलाव नहीं | एक गिलास पानी में एक चम्मच पीसी मिर्च घोली जाती है। पानी में रंग में कोई परिवर्तन नहीं है। |

| | |
|---|---|
| आया इसका अर्थ है कि मिर्च में किसी तरह की कोई मिलावट नहीं है लेकिन अगर पानी का रंग लाल हो जाता है तो इसमें ईंट का चूरा या लाल रंग की मिलावट की गई होती है। | प्लेट में ईंट का चूरा<br>चित्र |
| 5. ये दो तरह के शहद हैं हमारे पास। हमने एक तरह के शहद को पानी में डाला। इसका अर्थ है कि अरे! यह तो पानी में घुल गया है जिस गिलास में शहद, पानी में घुल गया है उसमें चीनी के घोल की मिलावट की गई है। क्योंकि बिना मिलावटी शहद की बूँद एक तार बनाते हुए नीचे जाती है। | काँच के गिलास में पानी भरा है और उसमें शहद डालते हुए बहुत पास से दिखाया गया है शहद पानी में घुल जाता है।<br>पानी में शहद डालते हुए बहुत पास से दिखाया गया है शहद एक तार छोड़ते हुए नीचे गया है। |
| 6. एक महीन कपड़े को एक प्लेट पर रखो और उस पर एक चम्मच चाय पत्ती रखो। अब उस पर 3-4 चम्मच पानी डालकर गीला करो। अब कपड़े से चाय पत्ती हटा दो। कपड़े पर पीला रंग आता है।<br>कपड़े पर तुमने जो पीला रंग देखा वह मिलावट है क्योंकि घटिया किस्म की चाय पत्ती में नकली रंग मिलाया जात है और चाय में भी यहीं रंग आ जाता है। | चित्र 1 - प्लेट पर महीन कपड़ा रखकर चाय पत्ती रखी गई।<br>चित्र 2 – थोड़ा सा पानी डालते हुए कपड़े पर पीला रंग। |
| 7. तुमने लाल मिर्च पाउडर, शहद, काली मिर्च, अरहर की दाल, और चाय की पत्ती में मिलावट की जाँच का तरीका देखा। तुम स्वयं भी अपने घर में मिलावट की जाँच का पता कर सकते हो। | चित्र –<br>लाल मिर्च पाउडर।<br>शहद।<br>काली मिर्च।<br>अरहर की दाल।<br>चाय की पत्ती। |
| खाने की चीज़ों पर यह दो मार्क पाये जाते हैं इनका उन्हीं खाने की चीज़ों पर लगाया जाता है। जिनकी उत्पादकता या गुणवत्ता की जाँच हो चुकी होती है इसलिए खाने की चीज़ें लेने से पहले यह मार्क अवश्य देखें।<br>खाने के सामान के कुछ पैकैट देखो और उन पर यह निशान देखो। | अब स्क्रीन पर एगमार्क तथा FPO का चित्र आता है।<br>एगमार्क<br>FPO |